साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 160 | जौनपुर, मंगलवार, 28 जनवरी 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त समाचार

26 जनवरी पर किसानों ने निकाला बड़ा ट्रैक्टर मार्च

चंडीगढ़, (एजेंसी)। 26 जनवरी के अवसर पर संयुक्त किसान मोर्चा ने पंजाब और हरियाणा में बड़े स्तर पर ट्रैक्टर मार्च निकाला। इस दौरान किसानों ने बीजेपी नेताओं के कार्यलाय का घेराव कर नारेबाजी की। फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (डैच) समेत 13 मांगों को लेकर किसानों ने हरियाणा–पंजाब समेत 13 राज्यों में ट्रैक्टर मार्च निकाला। हरियाणा के अंबाला, करनाल और जींद के अलावा पंजाब के अमृतसर, जालंधर और लुधियाना में इसका ज्यादा असर देखने को मिला... किसानों का ये मार्च दोपहर करीब 1रू30 बजे तक रहा..मार्च के दौरान किसानों ने केंद्र सरकार के खिलाफ खूब नारेबाजी की। अंबाला में किसानों ने हरियाणा के मंत्री अनिल विज का आवास घेरा। इसके अलावा यहां भाजपा कार्यालय को भी घेरा गया। हालांकि, इस दौरान दोनों ही जगहों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम थे, इसलिए किसानों को ज्यादा आगे नहीं आने दिया गया। किसानों ने रामपुरा फूल में भाजपा नेता जगदीप सिंह नकई और अमृतसर में भाजपा नेता तरणजीत सिंह संधू समुद्री के घरों का भी घेराव किया...नेताओं के घरों के अलावा किसानों ने कई बड़े शॉपिंग मॉल्स के सामने भी नारेबाजी की। वहीं, इस ट्रैक्टर मार्च को लेकर किसान नेता सरवण पंधेर ने कहा कि ये मार्च पूरे देश के करीब 12 से 13 राज्यों में सफल रहा।

कांग्रेस का महाराष्ट्र में मतदाताओं की संख्या में वृद्धि पर चुनाव आयोग से सवाल

मुंबई, (एजेंसी)। कांग्रेस ने महाराष्ट्र में मतदाताओं की संख्या राज्य की वयस्क आबादी के आंकड़े से अधिक होने को लेकर चुनाव आयोग से सवाल किया है। ऑल इंडिया प्रोफेशनल कांग्रेस (एआईपीएफ) के अध्यक्ष प्रवीण चक्रवर्ती ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि चुनाव आयोग के अनुसार लोकसभा 2019 और 2024 के चुनावों के बीच पांच वर्षों में राज्य के मतदाताओं की संख्या में 32 लाख की वृद्धि हुई है। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि अगर ऐसा है, तो राज्य में मतदाताओं की संख्या 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच सिर्फ छह महीनों में 48 लाख कैसे बढ़ गयी। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के अनुसार राज्य में मतदाताओं की संख्या 9.70 करोड़ है, लेकिन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से घोषित आंकड़ों में 18 वर्ष से अधिक आयु के वयस्क लोगों की संख्या 9.54 करोड़ है, जो 16 लाख कम है। इसके विपरीत पिछले वर्ष मात्र छह महीनों में मतदाताओं की संख्या में 48 लाख की वृद्धि हुई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि इसके अलावा अन्य अनियमितताओं के मद्देनजर महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के सहयोगी कांग्रेस–शिवसेना (यूबीटी)–राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के लगभग 100 हारे हुए उम्मीदवारों ने अदालत में चुनाव याचिका दायर की है। उन्होंने मतदाता पंजीकरण प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं का उल्लेख किया, जैसे कि लोनी गांव (शिरडी निर्वाचन क्षेत्र) में जहां एक ही पते पर 5,000 लोगों का पंजीकरण किया गया

तिरंगा हमें हर हाल में जोड़कर रखता है, गणतंत्र दिवस के मौके पर बोले सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर अपने सरकारी आवास पर ध्वज फहराया। इस मौके पर उन्होंने प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज ही के दिन भारत ने अपना संविधान लागू करते हुए एक संप्रभु संपन्न लोकतांत्रिक गणतंत्र भारत के रूप में अपनी एक नई यात्रा को प्रारंभ करने का निर्णय लिया था। एक लंबे संघर्ष के बाद 15 अगस्त 1947 को देश आजाद हुआ। उन्होंने कहा, ष्देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के नेतृत्व में भारत ने एक संविधान सभा का गठन किया। संविधान के प्रत्येक अनुच्छेद को एक माला के रूप में पिरोने का उत्तरदायित्व बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को दिया गया, जिन्होंने 26 नवंबर 1949 को एक मसौदा संविधान सभा के सामने सौंपा और अंततः 26 जनवरी 1950 को यह देश अपना संविधान लागू करने में सफल हो पाया।ष मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत का संविधान हमें न्याय, समता और बंधुता के साथ जुड़ने की एक नई प्रेरणा प्रदान करता है। सम और विषम परिस्थितियों में यह पूरे भारत को एकता के सूत्र में बांधने में सफल रहा है। आज के इस अवसर पर जब हम भारत के संविधान के लागू होने के 75 वर्ष को पूरा कर रहे हैं, इस अवसर पर मैं भारत माता के महान सपूतों को स्मरण करते हुए

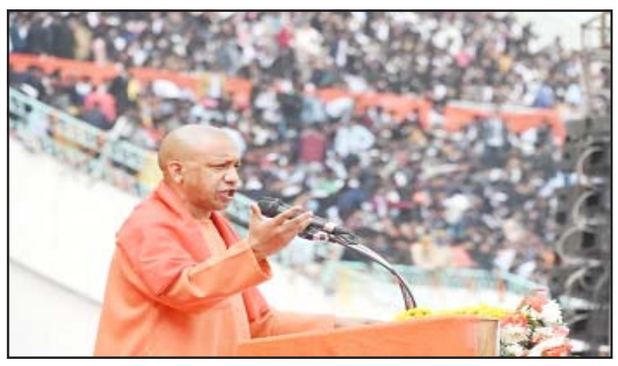

श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव अंबेडकर, सरदार वल्लभभाई पटेल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और डॉ. राजेंद्र प्रसाद जैसे स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम ने संविधान सभा के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि यह बाबा साहब डॉ. अंबेडकर के नेतृत्व का परिणाम है कि आज भारत के पास एक समावेशी और प्रगतिशील संविधान है। उन्होंने कहा कि 75 वर्षों की यह यात्रा हमें अमृत काल से जोड़ती है। भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को न्याय देने के लिए हमारा सबसे बड़ा मार्गदर्शक है। हर नागरिक को बिना भेदभाव के न्याय मिले और पूरा भारत एकता के सूत्र में बंधकर भारत की समृद्धि के बारे में सोचे, यह प्रेरणा भारत का संविधान देता है। सीएम योगी ने कहा कि आज हम सबके सामने विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य है और यह भारत के संविधान का अनुसरण करके ही पूरा किया जा सकता है। आज के इस अवसर पर जब हम भारत के संविधान की उस मूल प्रति का अवलोकन करते हैं, तो हम भारतीय संस्कृति की गहराई और ऊंचाई का अंदाजा लगा सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपने संविधान के प्रति इस बात के लिए भी गौरव की अनुभूति करनी चाहिए कि दुनिया में सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का सौभाग्य हमारे देश के पास है। यहां बिना भेदभाव के सभी को मताधिकार की ताकत प्राप्त हुई। आज आधुनिक लोकतंत्र का श्रेय लेने वाले तमाम देश हैं, लेकिन वहां रंगभेद तो कहीं आधी आबादी महिलाओं को भी यह ताकत नहीं मिली है। भारत ने अपने यहां यह सब पहले ही दिन से लागू कर चुका है। हम सब अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें तो आने वाले समय में अगले 25 वर्ष का जो पीएम मोदी ने संकल्प देशवासियों को दिया है, वह विकसित भारत 25 सालों में देशवासियों के सामने होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत का संविधान जाति, धर्म, भाषा और लिंग के भेदभाव के बिना हर नागरिक को समान अधिकार प्रदान करता है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि जब विश्व के कई लोकतांत्रिक देशों में महिलाओं और वंचित वर्गों को मतदान का अधिकार नहीं था, तब भारत ने पहले ही दिन से यह सुनिश्चित किया। मुख्यमंत्री ने केंद्र और राज्य सरकारों की जनकल्याणकारी योजनाओं को "आधुनिक रामराज्य" का स्वरूप बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीबों, किसानों और वंचित वर्गों के लिए अनेक योजनाएं लागू की गईं, जिनसे करोड़ों लोगों को लाभ मिला।

संजय रॉय को मौत की सजा दी जाए या नहीं हाई कोर्ट ने अपील पर फैसला रखा सुरक्षित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल सरकार और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा प्रस्तुत अपीलों पर कलकत्ता हाई कोर्ट ने सुनवाई की। हाई कोर्ट में ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी। आरजी कर अस्पताल बलात्कार–हत्या के दोषी संजय रॉय को जिंदा रहने तक कारावास में रहने की सजा सुनाई गई थी। कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। न्यायमूर्ति देबांगसु बसाक की अध्यक्षता वाली अदालत की खंडपीठ ने राज्य सरकार और सीबीआई दोनों को सुना, जिन्होंने तर्क दिया कि सियालदह सत्र अदालत का 20 जनवरी का आदेश, जिसमें अपराध के एकमात्र दोषी रॉय को मृत्यु तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी, अपर्याप्त था। सीबीआई और राज्य सरकार दोनों ने अलग–अलग रूप से दोषी के लिए मौत की सजा की मांग की है। सीबीआई ने पीठ के समक्ष दावा किया कि सजा की

अपर्याप्तता के आधार पर उच्च न्यायालय के समक्ष अपील दायर करने का अधिकार केवल उसे है क्योंकि वह मामले की जांच और अभियोजन एजेंसी थी। राज्य सरकार ने तर्क दिया कि केंद्रीय एजेंसी के अलावा, वह भी ट्रायल कोर्ट द्वारा दी गई सजा की अपर्याप्तता का दावा करते हुए अपील कर सकती है। पश्चिम बंगाल सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे महाधिवक्ता किशोर दत्ता ने राज्य की अपील को स्वीकार करने के लिए खंडपीठ के समक्ष दिन की दलीलें शुरू कीं। खंडपीठ के पूर्व निर्देश के अनुसार पीड़ित डॉक्टर और दोषी के माता–पिता का प्रतिनिधित्व उनके संबंधित वकीलों द्वारा अदालत के समक्ष किया गया। 9 अगस्त, 2024 को आरजी कर मेडिकल कॉलेज और यहां सियालदह सत्र अदालत ने रॉय को उनके प्राकृतिक जीवन के अंत तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए आप ने जारी की अरविंद केजरीवाल की 15 गारंटी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा के लिए आम आदमी पार्टी ने अपना चुनावी घोषणा पत्र जारी कर दिया है, जिसे आम आदमी पार्टी अरविंद केजरीवाल की गारंटी बता रही है। आम आदमी पार्टी के नेताओं का कहना है कि यह वह गारंटी है जिसे अरविंद केजरीवाल और दिल्ली सरकार पूरा करती है। अपने चुनावी घोषणा पत्र को जारी करते समय अरविंद केजरीवाल ने पिछली सरकार में तीन पूरे नहीं किए गए कामों को भी जनता के सामने स्वीकार किया और कहा कि अगले 5 साल के अंदर इन तीन कामों को जरूर पूरा कर दिया जाएगा। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि फरवरी 2020 में सरकार बनी थी। उसके बाद 2.5 साल कोरोना रहा। उसके बाद हमारे मंत्रियों को जेल में डाल दिया गया, इसलिए आम आदमी पार्टी की सरकार अपनी तीन गारंटियों, जिनमें चौबीस घंटे पानी का इंतजाम, यमुना को साफ करना और दिल्ली की सड़कों को यूरोपीय सड़क स्टैंडर्ड का बनाया जाना शामिल था, को पूरा नहीं कर पाई। यह तीन गारंटी मैंने 2020 में दी थी। आज मैं सबके सामने कबूल कर रहा हूं कि मैं इन तीन गारंटियों को पूरी नहीं कर पाया। उन्होंने कहा कि अगले पांच साल में रुके तीनों काम हम पूरे करेंगे। अरविंद केजरीवाल ने अपने नेताओं की मौजूदगी में दिल्ली की जनता को एक बार फिर अपनी 15 गारंटी गिनवाई हैं, जिनमें स्टूडेंट के लिए अंबेडकर स्कॉलरशिप योजना है। जिसमें दलित समाज का बच्चा अगर किसी भी विदेशी यूनिवर्सिटी में दाखिला लेता है, तो उसका सारा खर्चा दिल्ली सरकार उठाएगी। इसके बाद स्टूडेंट के लिए अब बसों में यात्रा बिल्कुल फ्री होगी और दिल्ली मेट्रो में 50 प्रतिशत कंसेशन दिया जाएगा। इसके बाद उन्होंने पुजारी ग्रंथी योजना का ऐलान किया। इसी कड़ी में रोजगार की गारंटी भी होगी। दिल्ली में 2 प्रतिशत बेरोजगारी दर है। दिल्ली में एक भी बेरोजगार ना रहे। केजरीवाल ने कहा, ष्दिल्ली के ढाई करोड़ लोग मेरा परिवार हैं। हम लोग पूरा प्लान बना रहे हैं कि किस तरह बच्चों को रोजगार दिया जाएगा। इसके अलावा महिला सम्मान योजना की गारंटी, 18 वर्ष की ऊपर की महिलाओं को हर महीने 2100 दिए जाएंगे।ष अरविंद केजरीवाल की गारंटी में संजीवनी योजना की गारंटी भी है, जिसमें 60 साल से ऊपर के बुजुर्ग का प्राइवेट और सरकारी अस्पताल में फ्री में इलाज होगा। इसके अलावा पानी के बढ़े हुए बिल की गारंटी, जिसमें पानी के जो बढ़े हुए बिल हैं, जिन लोगों के गलत बिल आए हैं, उन्हें बिल भरने की जरूरत नहीं है। सरकार बनने के बाद सारे बिल माफ होंगे।

भाजपा-आरएसएस संविधान विरोधी, केंद्र की नीतियों ने बढ़ाई नफरत : अखिलेश प्रसाद सिंह

पटना, (एजेंसी)। बिहार कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर संविधान विरोधी होने का आरोप लगाते हुए आज कहा कि केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों ने देश में नफरत बढ़ाई है। डॉ. सिंह ने रविवार को 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर सदाकत आश्रम में झंडोत्तोलन के बाद अपने संबोधन में कहा कि संविधान निर्माण के बाद बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने 1949 में नई दिल्ली में कहा था कि संविधान चाहे जितना अच्छा हो वह तब तक सफल नहीं हो सकता जब तक उसका पालन करने वाले लोग अच्छे न हों। आज के समय में डॉ. अंबेडकर की यह बात पूरी तरह से सही साबित हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान में भाजपा संविधान को मानने को तैयार नहीं है और लोकतंत्र पर वह विश्वास नहीं करती। भाजपा और आरएसएस नफरत और भेदभाव की राजनीति कर रहे हैं और बार–बार संविधान को बदलने की बात करते हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने भाजपा और आरएसएस को संविधान विरोधी बताया और कहा कि भाजपा और आरएसएस की रगों में संविधान के खिलाफ नफरत भरी पड़ी है। आरएसएस के पूर्व सरसंघचालक के.एस. सुदर्शन ने एक साक्षात्कार में कहा था, ष्हम भारत के संविधान को स्वीकार नहीं करते, इसकी समीक्षा होनी चाहिए।ष उन्होंने कहा कि संविधान लागू होने के बाद से ही आरएसएस के लोग इसका विरोध करते आए हैं, जैसे उन्होंने महात्मा गांधी का विरोध किया था। उनकी विचारधारा तिरंगे पर उंगली उठा चुकी है और आरएसएस ने 1950 से 2002 तक अपने मुख्यालय में राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया और उसका अपमान किया। वहीं, भाजपा के नेता लोकसभा चुनाव 2024 में 400 सीटें जीतने के बाद संविधान बदलने की बात करते हैं। डॉ. सिंह ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर का सदन में अपमान करने का आरोप लगया और कहा कि दिखावे के लिए ये भले ही संविधान को माथे से लगाते हों लेकिन इनके मन में इसके प्रति नफरत है। संविधान भारत की आत्मा है और कांग्रेस पार्टी इसे हर कीमत पर बचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि आज देश एक संक्रमण काल से गुजर रहा है। मोदी सरकार की गलत नीतियों के कारण देश में नफरत का माहौल बन रहा है। बेरोजगारी और महंगाई में लगातार वृद्धि से निम्न और मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए जीवन कठिन हो गया है। मोदी सरकार ने पिछले दस वर्षों में सिर्फ अपने अमीर मित्रों का ख्याल रखा और विनिर्माण क्षेत्र की अर्थव्यवस्था का हिस्सा 60 वर्षों के सबसे निचले स्तर तक गिर गया, जिसके कारण लोगों को रोजगार के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने मोदी सरकार की नीतियों पर जमकर हमला बोला और कहा कि कृषि क्षेत्र में गलत नीतियों के कारण किसानों और खेत मजदूरों की स्थिति दिन–ब–दिन बदतर होती जा रही है। अब ये लोग मुश्किल से अपना गुजारा कर पा रहे हैं। पिछले पांच वर्षों में श्रमिकों की वास्तविक आमदनी या तो स्थिर है या घट चुकी है।

भारत को जल्द मिलेगा नया सेबी चीफ, सरकार ने शुरू की तलाश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वित्त मंत्रालय द्वारा भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के नए चेयरमैन की तलाश शुरू कर दी गई है। इसकी वजह मौजूदा नियामक प्रमुख माधबी पुरी बुच का कार्यकाल 28 फरवरी को समाप्त होना है। वित्त मंत्रालय द्वारा सोमवार को अखबार में शफिलिंग अप द पोस्ट ऑफ चेयरमैन इन सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडियाश शीर्षक वाले विज्ञापन में पूंजीगत बाजार नियामक के प्रमुख पद पर नियुक्ति के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए गए। विज्ञापन में कहा गया कि नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से अधिकतम पांच वर्ष की अवधि के लिए या नियुक्त व्यक्ति की आयु 65 वर्ष होने तक, जो भी पहले हो, के लिए की जाएगी। सेबी प्रमुख के पास भारत सरकार के सचिव के समान वेतन या घर और कार के बिना 5,62,500 रुपये प्रति माह की कंसोलिडेटेड सैलरी प्राप्त करने का विकल्प होगा। वित्त मंत्रालय ने उम्मीदवारों के लिए आवेदन जमा करने

की अंतिम तिथि 17 फरवरी तय की है। माधबी पुरी बुच को मार्च 2022 में तीन साल की अवधि के लिए 28 फरवरी तक सेबी प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया था। वह पूंजी बाजार नियामक का नेतृत्व करने वाली पहली महिला थीं। सेबी प्रमुख के रूप में नियुक्त होने से पहले, बुच सेबी बोर्ड की नियमित सदस्य थीं। बुच ने पूर्व आईएएस अधिकारी अजय त्यागी का स्थान लिया है, जिनका सेबी प्रमुख के रूप में कार्यकाल दो साल के विस्तार के बाद समाप्त हो गया था। त्यागी ने वित्त मंत्रालय में प्रमुख पदों पर कार्य किया था।

दिल्ली चुनाव में अन्ना हजारे की एंट्री, कर दी बड़ी अपील

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में चुनावी शोर तेज होता जा रहा है। जैसे–जैसे मतदान की तारीख नजदीक आ रही है, वैसे–वैसे पार्टियों की बयानबाजी भी तीखी होती दिख

रही है। इसी कड़ी में पूर्व सीएम अरविन्द केजरीवाल ने मोदी सरकार की नीतियों का हवाला देते हुए बीजेपी पर जोरदार हमला बोला है। वहीं कांग्रेस चुनाव आयोग पहुँच गई है। इस बीच दिल्ली चुनाव में अन्ना हजारे की भी एंट्री हो गई है। दिल्ली में विधानसभा चुनाव के लिए बुजुर्गों और दिव्यांगों की वोटिंग शुरू हो चुकी है। उन्हें घर से मतदान की सुविधा दी गई है। अबतक लगभग 1400 लोगों ने मतदान कर भी दिया है। ऐसे में सभी पार्टियां भी एड़ी–छोटी का जोर लगा रही हैं। आम आदमी पार्टी बीजेपी के संकल्प पत्र को लेकर खासी हमलावर दिखाई दे रही हैं। उन्होंने इसे ठग पत्र बताया है। पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने दावा किया कि महाराष्ट्र में बीजेपी ने जिन महिलाओं को पैसा दिया, अब उनसे पैसा वापस लेने के लिए उन्हें ढूँढ रही है। केजरीवाल ने कहा कि इससे ज़्यादा बेशर्मी क्या हो सकती है? इसके साथ ही उन्होंने जनता से बड़ी अपील करते हुए कहा जनता के पास दो मॉडल है। केजरीवाल ने इस बात पर जोर दिया कि ये चुनाव दिल्ली को ही नहीं देश को बचाने का चुनाव है। इसके साथ ही उन्होंने एक और चुनावी वादा करते हुए कहा कि राजधानी में अगले पांच साल में सीवर की समस्या पूरी तरह से दूर हो जाएगी। इस बीच आम आदमी पार्टी के एक चुनावी पोस्टर पर बवाल मच गया है। पार्टी ने अपने पोस्टर में राहुल गांधी, अजय माकन और संदीप दीक्षित की तस्वीर के साथ उन्हें बेईमान बताया,। जिसे कांग्रेस ने अपमानजनक टिप्पणी बताया और इसकी शिकायत चुनाव आयोग में कर दी।

बाबा साहेब अंबेडकर की मूर्ति तोड़ना निंदनीय, दोषियों पर होगी कड़ी कार्रवाई : भगवंत मान

अमृतसर, (एजेंसी)। अमृतसर में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा तोड़े जाने की पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने प्रशासन को दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में लिखा, ष्श्री अमृतसर साहिब की हेरिटेज स्ट्रीट पर बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति तोड़ने की घटना बेहद निंदनीय है और इस घटना के लिए किसी को भी माफ नहीं किया जाएगा। घटना को अंजाम देने वाला चाहे कोई भी हो, उसे सख्त से सख्त सजा मिलेगी। पंजाब के भाईचारे और एकता को तोड़ने की किसी को अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रशासन को इसकी जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं।ष वहीं, शिरोमणि अकाली दल के नेता सुखबीर सिंह बादल ने बाबा साहेब की प्रतिमा

तोड़े जाने की घटना को साजिश बताया है। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, ष्गणतंत्र दिवस पर श्री अमृतसर साहिब में हेरिटेज स्ट्रीट पर डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को अपवित्र करने के प्रयास की कड़ी निंदा करता हूं। इस जघन्य कृत्य ने लाखों लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाया है। मैं दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और इस शर्मनाक घटना के पीछे की साजिश का पता लगाने के लिए गहन जांच की मांग करता हूं। आइए हम समाज में विभाजन पैदा करने के ऐसे घृणित प्रयासों के खिलाफ एकजुट हों।ष बता दें कि 26 जनवरी को अमृतसर के टाउन हॉल के पास स्थित बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को अज्ञात लोगों ने खंडित कर दिया था। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद विपक्ष लगातार राज्य सरकार पर सवाल खड़े कर रहा है। इससे पहले कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला ने राज्य सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा कि एक तरफ 26 जनवरी को देश में गणतंत्र दिवस मनाया जा रहा है तो दूसरी तरफ जिन्होंने देश को बराबरी का अधिकार और संविधान दिया, उनका अपमान करना देश के हर नागरिक का अपमान है। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा तोड़ने की घटना निंदनीय है। गुरजीत सिंह औजला ने इस घटना की जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को इस घटना की गंभीरता को देखते हुए हस्तक्षेप करना चाहिए और ऐसा करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा देनी चाहिए।

संपादकीय

मेहनत से जीवन

पिछले कुछ समय से काम के घंटे ज्यादा बढ़ाने के मसले पर उठे विवाद में मानवीय और न्यायपूर्ण दृष्टि से कई पहलू सामने आए। किसी के लिए काम के ज्यादा घंटे मुनाफा बढ़ाने का मसला है तो किसी के लिए जीवन में मानवीयता और मानवाधिकारों का सवाल अहम है। इससे इतर देखें तो घर–परिवार के बुजुर्ग अमूमन बच्चों का आलस्य दूर करने के लिए कहते सुने जाते रहे हैं कि जो जागेगा, सो पाएगा और जो सोएगा, सो खोएगा। किसी ने कभी नहीं कहा कि जीवन आसान है। सभी ने जीवन यात्रा को कठिन बताया है। लेकिन इंसान मेहनत से जरूर जरा आसान बना सकता हैं। दरअसल, जीवन एक अवसर है, एक संभावना है और एक छोटा–सा बीज भी है। बीज में छिपे हैं हजारों फल–फूल, जो प्रकट नहीं होते, अप्रकट रहते हैं । वे गहरी खोज या कड़ी मेहनत से ही हासिल हो पाते हैं । प्राप्त कर लेते हैं, तो जीवन धन्य हो जाता । असल में, योग्यताएं और मुकाम कर्म से पैदा होते हैं, जन्म से तो हर व्यक्ति शून्य होता । समूचे ब्रह्मांड में केवल एक ही वस्तु पर इंसान का नियंत्रण है, और वह है खुद । इसलिए इंसान जो भी चाहे, वह जरूर हासिल कर सकता है । गीतकार शैलेंद्र का लिखा पुराना फिल्मी गीत– मेहनतकश इंसान जाग उठा... वो मिट्टी सोना हो जाए, जिसमें हमारा हाथ लगे... राह के पर्वत बह जाएंगे, बहा के देख पसीना. भी यही संदेश देता है कि पसीना बहाने से ही इंसान अपनी तरक्की और कामयाबी की राह प्रशस्त कर सकता है। कबीर ने भी इसी बात को जरा अलग नजरिए से अपने एक दोहे में कहा है– श्धीरे–धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय । माली सींचे सौ घड़ा, ऋतु आए फल होय मेहनत के बावजूद फल सब्र करने वालों को अपने तय समय पर ही मिलता है । इसीलिए कहा जाता है कि सब्र कभी मत खोना, छोटी–बड़ी हर कामयाबी वक्त मांगती है। मेहनत और सब्र का कोई श्शार्ट कटश या लघु मार्ग नहीं है। दूसरे शब्दों में, कुछ बनना है, तो वनवास भोगना ही पड़ेगा। घर की सुख– सुविधाओं में कोई राम नहीं बन सकता। कड़ी मेहनत जारी रखें, यही सफलता का असली मंत्र है और जीवन खुद–ब– खुद खुशहाल होता जाएगा। एक बात हमेशा याद रखनी चाहिए कि आगे बढ़ने का रास्ता न तो आसान होता है, न ही छोटा और न ही जल्दी खत्म होने वाला होता है। जंगल में हिरण को जागते ही जी–जान से भागना पड़ता है, वरना शेर खा जाएगा। शेर हो या हिरण, भागना दोनों को पड़ता है। तमाम लोगों को जीवित रहने के लिए भागदौड़ और मेहनत करनी पड़ती है। भाग्य भी मेहनत करने वालों का ही साथ निभाता है । इसलिए मेहनत करते–करते अपने को इस कदर व्यस्त कर लेना चाहिए कि अन्य विचार मस्तिष्क में न आ सके । श्तुम कर सकते हो ।श ये चंद शब्द बोल कर अभिभावक और शिक्षक अमूमन बच्चों में करने का आत्मविश्वास भरते हैं, क्योंकि आत्मविश्वासी होना ही मनचाहा हासिल करने की पहली सीढ़ी है। उल्लेखनीय है कि थामस अल्वा एडिसन अपनी स्कूली पढ़ाई में फिसड्डी थे। एक रोज शिक्षक ने उन्हें पत्र थमाया और कहा कि इसे अपनी मां को दे देना । पत्र पढ़ते–पढ़ते मां की आंखें डबडबा गईं। मां ने नन्हे एडिसन का हौसलाअफजाई करते हुए कहा कि मैडम ने लिखा है कि हमारे स्कूल में आपके बेटे के स्तर के काबिल शिक्षक नहीं हैं । इसलिए बेहतर है कि इसे अब आप स्वयं पढ़ाएं। सुन कर एडिसन भी खुश हुए और घर पर मां से ही पढ़ने–सीखने लगे । सालों बाद वे विख्यात आविष्कारक बन गए। बाद में उनकी मां चल बसीं। एक रोज वे अपनी मां के सामान को सहेज कर रख रहे थे कि वही पत्र उनके हाथ लगा। पत्र पढ़ा, तो उनके आंसू बह गए। दरअसल, उसमें लिखा था कि आपका बच्चा बौद्धिक तौर पर बहुत कमजोर है, श्इसलिए उसे स्कूल से निकाल दिया गया है । इससे जाहिर होता है कि हर इंसान में हर काम करने की बेशुमार संभावनाएं दबी रहती हैं। इसे एक उदाहरण से समझा जा सकता है। अमेरिका का एडवेंचरर यानी साहसी योद्धा जान गोडार्ड किशोरावस्था में ही अपने सपने और लक्ष्य लिखने लगा । मसलन, एवरेस्ट पर चढ़ना, नील नदी तैर कर पार करना आदि । यों उसने सत्तावन लक्ष्य लिख लिए और उन्हें हासिल करने में जुट जाता। जब वह साठ साल का हुआ, तो उसने अपने लक्ष्यों का पन्ना खोला और जांच करने लगा कि क्या–क्या छूट गया है। वह अपना दर्ज किया ब्योरा देख कर चौकन्ना रह गया, क्योंकि उसने सत्तावन में से पचपन लक्ष्य पूर्ण कर लिए थे। लक्ष्य तो सभी तय करते हैं, लेकिन उन्हें हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करने वाले गिने–चुने ही होते हैं। जाहिर है, कोई काम अपने आप नहीं बन सकता। उसके साथ आखिरी दम तक जुटे और बने रहना पड़ता है । इसीलिए कहते हैं कि काम से प्यार जरूरी है। स्टीफन हाकिंग की राय में, श्जीवन कितना भी कठिन क्यों न लगे, आप हमेशा कुछ न कुछ कर सकते हैं और उसमें सफल हो सकते हैं।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर भ्रष्टाचार के आरोपों पर कांग्रेस चुप क्यों

योगेंद्र

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली में अपनी पहली चुनावी रैली को संबोधित करते हुए केजरीवाल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल पीएम मोदी की तरह झूठे वादे करते हैं। केजरीवाल ने कहा था कि भ्रष्टाचार मिटाएंगे लेकिन क्या दिल्ली में भ्रष्टाचार हटा क्या? अडानी पर भी केजरीवाल कुछ भी नहीं बोलते हैं। राहुल गांधी ने जब केजरीवाल पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए उसी समय कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने (ईडी) ने मैसूर शहरी विकास प्राधिाकरण (एमयूडीए) मामले के संबंध में 300 करोड़ रुपये के बाजार मूल्य वाली 142 अचल संपत्तियों को जब्त कर लिया। ईडी के बेंगलुरु जोनल कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत इन संपत्तियों को जब्त किया। ईडी के अनुसार, ये संपत्तियां विभिन्न व्यक्तियों के नाम पर पंजीकृत हैं जो रियल एस्टेट व्यवसायी और एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। ईडी ने लोकायुक्त पुलिस मैसूर द्वारा भारतीय दंड संहिता, 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत सिद्धारमैया और अन्य के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी के आधार पर जांच शुरू की थी। आतंरिक तौर पर देखें तो राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे में इतना साहस भी नहीं हो सका कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री पद से हटाना तो दूर बल्कि कारण बताओ नोटिस तक जारी कर सकें। दरअसल कांग्रेस को अंदाजा है कि यदि सिद्धारमैया से कुछ भी पूछा गया तो विद्रोह की नौबत आ जाएगी। ऐसे में कांग्रेस ने इस मुद्दे पर चुप्पी साधे रखना ही सही समझा। कांग्रेस को शायद यह बात समझ में नहीं आई कि उसकी चुप्पी ही उसे अपराधी बना रही है। यही वजह है कि भाजपा ने विगत चुनावों में भ्रष्टाचार के मुद्दों पर कांग्रेस की बखिया उधडने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। दरअसल कमजोर होती कांग्रेस में इतने क्षत्रप पनप गए हैं कि पार्टी चाह कर भी उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकती। ऐसे में भ्रष्टाचार हो या पार्टी विरोधी गतिविधियां, कांग्रेस खिसकते जनाधाार के कारण यह जहर पीने को मजबूर हो गई है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इसका उदाहरण हैं। सरेआम पार्टी के निर्णयों की उपेक्षा करने के बावजूद कांग्रेस गहलोत के खिलाफ कोई कार्ररवाई नहीं कर सकी। इसी तरह सचिन पायलट भी पार्टी खुल कर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहे, किन्तु कांग्रेस उनकी तरफ से भी आंखे फेरे रही है। गहलोत और पायलट के अंदरूनी सता संघर्ष का ही नतीजा रहा कि कमजोर कांग्रेस राजस्थान विधानसभा चुनाव में भाजपा का मुकाबला नहीं कर सकी और करारी शिकस्त खाने को मजबूर हुई। कांग्रेस में भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरने वाले सिद्धारमैया अकेले नेता नहीं हैं। पार्टी में नीचे से लेकर शीर्ष तक नेताओं के खिलाफ गंभीर मामले चल रहे हैं। यहां तक कि पार्टी चलाने वालीं कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी जमानत पर चल रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी भी कई भाषणों में कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के जमानत पर बाहर होने पर चुटकी भी लेते रहे हैं। संसद के सत्र के दौरान जब कांग्रेस नेता अधीर रंजन ने कहा था कि भ्रष्टाचार के मामले हैं तो गिरफ्तार क्यों नहीं करते, तब पीएम मोदी ने हंसते हुए कहा था– जमानत पर हैं तो एन्जॉय करिए। इसी तरह कांग्रेस मौके–बेमौके ऐसे मुद्दें पर उपहास का पात्र बनती रही है। भ्रष्टाचार के मामलों को देखें तो दिल्ली से लेकर हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और गुजरात से लेकर महाराष्ट्र तक के बड़े कांग्रेस नेता सीबीआई, इनकम टैक्स और ईडी जैसी एजेंसियों के निशाने पर रहे हैं। हालांकि कांग्रेस अपने नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से इनकार करती है। नेशनल हेराल्ड केस–2011 में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, उनके बेटे राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेता फंसे हैं। बीजेपी के राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी का आरोप है कि यह सब कुछ दिल्ली में बहादुर शाह जफर मार्ग पर स्थित हेराल्ड हाउस की 16 सौ करोड़ रुपये की बिल्डिंग पर कब्जा करने के लिए किया गया। वर्ष 2013 में अगस्ता वेस्टलैंड वीआइपी हेलीकॉप्टर खरीद घोटाला में सीबीआई और दूसरी केंद्रीय एजेंसियां अहमद पटेल पर इतालवी चॉपर कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड से कमीशन लेने के आरोपों की जांच कर रही हैं। इस मामले में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ के भांजे रतुल पुरी भी फंसे हैं। राजस्थान में एंबुलेस घोटाला में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट भी आरोपी हैं। ये मामला 2010 से लेकर 2013 तक एनआरएचएम के तहत एंबुलेंस खरीदने में हुई धांधली का है। ईडी अब तक 12 करोड़ की संपत्तियां आरोपियों से जब्त कर चुकी है। कांग्रेस के दिग्गज नेता डीके शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति दर्ज करने का मामला चल रहा है। 2017 में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने डीके शिवकुमार के 64 ठिकानों पर जबर्दस्त छापेमारी की थी। टैक्स चोरी की शिकायतों पर यह कार्रवाई हुई थी। हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता वीरभद्र सिंह के खिलाफ भी केंद्रीय एजेंसियों ने छापेमारी की। सितंबर 2015 में उनकी बेटी की शादी के दिन सीबीआई ने छापेमारी कर खलबली मचा दी थी। आश्चर्य यह नहीं है कि आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं, बल्कि लगाने वाले ने अपनी पार्टी की गिरेबां में झांक कर नहीं देखा। आकंठ तक भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी कांग्रेस के मुंह से भ्रष्टाचार शब्द भी अब बेजान हो गया है। कांग्रेस का इतिहास और वर्तमान भ्रष्टाचार के काले कारनामों से रंगा हुआ है। कांग्रेस यदि आज देश में लगातार सिमटती जा रही है तो उसका प्रमुख कारण भ्रष्टाचार में लिप्त होना है। भाजपा के बाद देश की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस अपने दामन पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों पर दोमुंही बातें करती रही है। यह निश्चित है कि जब तक कांग्रेस भ्रष्टाचार को लेकर कथनी और करनी के फर्क को नहीं मिटाती तब तक देश के मतदाताओं का पूरा भरोसा नहीं जीत सकती।

गांवों की कीमत पर फैलते शहर

नए शहर और कस्बे बसाना आज की जरूरत बताई जा रही है। केंद्र सरकार पिछले दस वर्षों में बड़े शहरों में जनसंख्या के बढ़ते घनत्व पर अंकुश लगाने और बढ़ती आबादी के मद्देनजर नए शहर बसाने की कोशिश में जुटी है। सभी सुविधाओं से युक्त कस्बों के निर्माण को भी प्राथमिकता दी जा रही है। देश के तमाम अंचलों में शहर और कस्बे बसाने का काम चल रहा है। नए कस्बों और शहरों का निर्माण तथा पुराने शहरों के विस्तार की जरूरत वाहनों की बढ़ती संख्या, भीड़भाड़ और प्रदूषण बढ़ने के कारण महसूस हो है। इसे देश देश के विकास और विकसित देश के निर्माण रूप में भी देखा जा जा रहा है। एक हकीकत यह भी है कि विकास योजनाओं और बेहतर नीतियों के बावजूद गांवों से पलायन में कोई कमी नहीं आई है। रोजगार की बेहतर संभावनाओं की तलाश में युवा और मेहनतकश लोग अपने पुश्तैनी गांव तथा खेत–खलिहान छोड़ कर शहर जाते हैं। वहां उनका शारीरिक और मानसिक शोषण होता है। महानगरों और शहरों में उन्हें नाउम्मीदी ही लगती है। फुटपाथों पर भीख मांगते बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग इसके प्रमाण हैं। इनमें ज्यादातर ऐसे असहाय लोग हैं, जिनको सहारा देने वाला कोई नहीं होता। प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। किसानों को खेती के लिए कई सुविधाएं दी जा रही हैं। गांवों से शहरों की तरफ पलायन रोकने की कोशिशें की जा रही हैं। बावजूद इसके पलायन नहीं रुक पा रहा है। ताजा आंकड़ों और अनुमान के मुताबिक आने वाले पांच वर्षों में शहरों में दस करोड़ मकान बनाने की जरूरत पड़ेगी। केंद्र सरकार शहरों और गांवों में बड़े पैमाने पर मकान बनाने में लगी है, लेकिन अभी भी करोड़ों लोगों के सिर पर छत नहीं है। सरकार एक तरफ गांवों से पलायन रोकने की कोशिश में लगी है, तो दूसरी तरफ नए महानगर बसाने पर भी काम कर रही है। इन नए शहरों में कौन आकर बसेगा ? जाहिर सी बात है, गांव का वह धनी वर्ग, जो अब खेती नहीं करना चाहता। वह गांव से निकलना चाहता है। मगर गांवों से पलायन कर शहरों और कस्बों में आकर मेहनत–मजदूरी करने वाले लोग या जाना चाहते हैं। वे खेतिहर मजदूर बन कर गांव उन्हें लगता है कि उनके लिए गांव पहले जैसा मुफीद नहीं रहा। गांवों में ऐसे परिवार ही रहना चाहते हैं, जो अपनी विरासत खोना द्य नहीं या परिवार भी शहरों में ही ब रहना नहीं चाहते। द्वितीय और तृतीय श्रेणी के शहरों में सार्वजनिकध्द राज्य एजेंसियों, नगर निगमों, शहरी स्थानीय निकायों जरिए कार्यान्वित शहरी बुनियादी ढांचे विकास कार्यों के लिए राज्य सरकारों के प्रयासों को वित्तपोषण का एक स्थिर और अनुमानित स्रोत प्रदान करने की घोषणा की थी। पर्यावरणविदों के मुताबिक इतने बड़े पैमाने पर शहरों और कस्बों के निर्माण से देश प्रदूषण और जल संकट से जूझ रहा होगा। मौजूदा दौर में देश के ज्यादातर शहरों और कस्बों बढ़ती आबादी अपराध, बेरोजगारी, अपर्याप्त बुनियादी ढांचा, साधारण बरसात में बाढ़ जैसे हालात, ध्वनि प्रदूषण, सड़क दुर्घटनाएं, अपर्याप्त परिवहन, असंगठित कालोनियों की लगातार बसावट और झुग्गी– झोपड़ियों के फैलाव जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ये सभी शहरीकरण के नकारात्मक पक्ष हैं। इन पर गौर करने की जरूरत है। श्रमिक दूर के ढोल सुहावने वाली कहावत शहरीकरण को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। गांव के लोगों को लगता है कि शहरी जिंदगी बहुत अच्छी है। दिन भर मेहनत कर अपने और परिवार के लिए अच्छा भोजन जुटाया जा सकता है। अधिक मेहनत से कमाई हो जाती है। बच्चे अच्छे स्कूलों में पढ़ लेते हैं। सब कुछ सहज रूप से मिल जाता है। शहरों के बारे में इस तरह की जानकारी जब गांव के गरीबों के पास पहुंचती है, तो वे घर छोड़ कर शहरों में रोजगार के अवसर तलाशते हैं। गरीबी व्यक्ति को कितना मजबूर कर देती है, यह वही जानता है, जो मजबूरी में जिंदगी बसर कर रहा। हो। मगर यह कई समस्याएं पैदा करने की वजह के रूप में देखा जाता है। इसलिए इस पर सवाल भी उठते हैं। आज गांवों में जो समस्याएं हैं उनमें गरीबी और में उससे बढ़ता हुआ पलायन प्रमुख है, तो दूसरी समस्या रोजगार का अभाव है। शहरीकरण केंद्र और राज्य सरकारों की नीति का हिस्सा है। इसका सीधा मतलब है कि गांवों से लोग नए शहरों में आकर बसें और सरकार वहां सारी सुविधाएं उपलब्ध कराए। मगर सवाल है कि नए शहरों को बसाने के लिए जो आधुनिक सुविधाएं होनी चाहिए, वे क्या पर्यावरण की कीमत पर मुहैया कराई जा हैं? जलवायु परिवर्तन क का नया संकट दुनिया भर में पैदा है उससे हुआ उससे पैदा हुई है अधिक गर्मी, अधिक बरसात, उससे बढ़ती बाढ़ की समस्या और अकाल। साफ पानी की उपलब्धता, जरूरत के मुताबिक सबको रोजगार, अस्पताल, स्कूल–कालेज और रोजमर्रा की सभी चीजें उपलब्ध कराना क्या इतना सहज है, जितना सरकार कहती है। भारत के हर बड़े और मझोले शहरों में आज प्रदूषण सबसे बड़ी समस्या है। इसके अलावा कूड़े का निपटान और स्वच्छता को सतत बनाए रखना बड़ी समस्या है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, लखनऊ, कानपुर, जयपुर, रांची, इंदौर, भोपाल, चंडीगढ़ और पटना सहित देश बड़े शहरों में मूलभूत जरूरतों की बेहतर व्यवस्था होने के दावों के बावजूद सच यह है कि दिल्ली सहित कई बड़े शहरों में भीड़ बढ़ रही है। विकसित देशों में शहरीकरण देश के विकास का पर्याय है। गांवों में में श्वास लेने और मौज–मस्ती के लिए जाते हैं। वहां गांवों के हालात वैसे दयनीय नहीं हैं जैसे भारत में हैं सुरक्षा और सेहत के मामले में भी विकसित देश भारत द्य कई गुना अच्छे हैं। मगर उनका विकास उद्योगों और औजारों के निर्यात पर आधारित है।

मृतकों को कब्र से वापस लाने में मदद कर रहा

अमरता प्राप्त कर ली है, यद्यपि डिजिटल रूप से। मरीना स्मिथ, एक प्रमुख होलोकॉस्ट अभियानकर्ता, अपने रिश्तेदारों के सवालों का जवाब देने और अपने स्वयं के स्मारक पर पारिवारिक रहस्यों को उजागर करने के लिए कब्र से वापस लौटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बदौलत। जल्द ही, लोग अपने प्रियजनों से चौट कर सकेंगे, बशर्ते वे ऐसी तकनीक की भारी कीमत वहन कर सकें। मृत्यु अब महान तुल्यकारक नहीं होगी क्योंकि गरीबों को पुराने ढंग से शोक मनाना होगा। भविष्य में, अमीरों को वास्तव में अपने प्रियजनों को अलविदा कहने की जरूरत नहीं होगी जब तक कि, निश्चित रूप से, उनका ॅपथ्य कट न जाए। विश्व स्वास्थ्य संगठन से संयुक्त राज्य अमेरिका के हटने से वैश्विक स्वास्थ्य नेता के रूप में इसकी भूमिका कमजोर होने का जोखिम है। संक्रामक रोगों को संबोधित करने, उभरते स्वास्थ्य खतरों पर नजर रखने और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रियाओं का समन्वय करने में अपरिहार्य है। संस्थापक सदस्य और महत्वपूर्ण योगदानकर्ता के रूप में अमेरिका को ॅभ्द के नेटवर्क से बहुत लाभ हुआ है, खास तौर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य अनुसंधान और महामारी की तैयारियों में। अगर अमेरिका इस सहयोग को छोड़ देता है, तो यह न केवल वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा को कमजोर करता है, बल्कि महत्वपूर्ण जानकारी तक उसकी अपनी पहुँच को भी सीमित करता है, जिससे घरेलू और वैश्विक स्वास्थ्य दोनों ही अधिक जोखिम में पड़ जाते हैं। इसलिए यह उत्साहजनक है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, जिन्होंने अपने कार्यकाल के पहले दिन ही देश को से बाहर कर दिया था, ने कहा है कि अगर में सुधार होता है तो अमेरिका वापस आ सकता है। अमेरिका की प्रतिबद्धता उसकी अपनी स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। द्वारा बनाया गया वैश्विक स्वास्थ्य नेटवर्क रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र जैसे अमेरिकी संस्थानों को अनुसंधान पर सहयोग करने और बीमारियों को ट्रैक करने की अनुमति देता है। के बिना, अमेरिका को सीमा पार स्वास्थ्य खतरों से निपटने में अलग–थलग पड़ने का जोखिम है, जिससे संभावित रूप से अमेरिकी महामारी के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकते हैं। भविष्य की स्वास्थ्य आपात स्थितियों को रोकने के लिए का प्रभाव और विशेषज्ञता आवश्यक है। बाहर निकलने से न केवल गरीब देश प्रभावित होंगेय इससे अमेरिका की तैयारियाँ भी प्रभावित होंगी। उन्मूलन से लेकर वैश्विक स्वास्थ्य पहलों का नेतृत्व करने तक, अमेरिका ने लंबे समय से ॅभ्द में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एक संस्थापक सदस्य के रूप में, देश की ऐतिहासिक जिम्मेदारी है कि वह संगठन का समर्थन करना जारी रखे। यदि अमेरिका अलग होने का विकल्प चुनता है, तो वह अन्य देशों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है, ।

जलवायु परिवर्तन की चपेट में श्रमिक

कमल

जलवायु परिवर्तन के कारण चरम मौसमी घटनाओं में वृद्धि श्रमिकों के रोजगार, कार्यक्षमता, कार्यावधि उत्पादकता, स्वास्थ्य और जीवन को प्रभावित करती है। निम्न पर्यावरणीय दशाओं में कार्य करने को विवश श्रमिक स्वास्थ्य के साथ–साथ जीवन की हानि के रूप में बड़ी कीमत चुकाता है। चरम मौसमी घटनाओं के कारण जब लोग घर से बाहर निकलने की हिम्मत तक नहीं जुटा पाते हैं, वैसी स्थिति में भी श्रमिक रोजगार के लिए दर–दर भटकने को विवश होते हैं। अर्थव्यवस्था को प्रभावित करते हैं। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार 2030 तक दुनियाभर कुल कामकाजी घंटों का 3. 8 प्रतिशत तक जलवायु–प्रेरित उच्च तापमान के कारण नष्ट हो सकता है। यह 13.6 करोड़ पूर्णकालिक नौकरियों के बराबर है। इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था को 2400 अरब डालर की चपत लग सकती है। तापमान में वृद्धि कार्यस्थल पर श्रमिकों के स्वास्थ्य और जीवन के लिए खतरा उत्पन्न कर सकती है। ऐसी परिस्थिति में श्रमिक अपेक्षाकृत कम काम कर पाते हैं, क्योंकि गर्मी की मार से बचने के लिए बार–बार विराम लेने की आवश्यकता पड़ सकती है। भीषण गर्मी श्रमिकों में थकावट, लू और मृत्यु का कारण भी बन सकती है। वहीं पराबैंगनी किरणों के लगातार संपर्क में रहने से त्वचा कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। अध्ययनों से पता चलता है कि तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जाने पर कार्य उत्पादकता धीमी हो जाती है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन का कहना है कि 33 से 34 डिग्री सेल्सियस पर उन नौकरियों में उत्पादकता का स्तर आधा हो सकता है, जिनमें शारीरिक श्रम की आवश्यकता होती है। श्रमिकों को वायु प्रदूषण के बढ़ने से श्वसन संबंधी विकारों का सामना करना पड़ता है। धूल, धुएं और प्रदूषण वाले इलाकों में निरंतर काम करने से उनमें अस्थमा व अन्य बीमारियां घर करती हैं। वहीं तीव्र वर्षा और हाड़ कंपाने वाली सर्दी के दिनों में भी श्रमिकों को कार्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। दूसरी और बाढ़ एवं सूखा जैसी आपदाओं के कारण श्रमिकों का रोजगार छिन जाना और पलायन की बेबसी भी एक बड़ी आर्थिक विपदा है। ? कार्यक्षमता को कम करती है। इस प्रक्रिया से उत्पादन और क्रमशः आर्थिक विकास प्रभावित होता है।

अपनी एक्ट ईस्ट पॉलिसी को आगे बढ़ाता भारत

अभिनय

विदेश नीति की बात करें तो भारत का रुतबा पिछले एक दशक में काफी बढ़ा है। भाजपा सरकार के समग्र कार्यकाल में भारतीय विदेश नीति का परिवर्तन सबसे अधिक सामने आया है। विदेश मंत्रालय का जिम्मा मोदी 2.0 में संभालने वाले मोदी के गू मैन कहे जाने वाले एस जयशंकर के पास एक बार फिर रहा। इस दौरान भारत ने हर देश के साथ समान स्तर पर राजनयिक संबंध स्थापित करने की पहल की, फिर चाहे वह विकासशील राष्ट्र हो या विश्व की महाशक्ति ही क्यों न हो। भारत और इंडोनेशिया ने अपने रणनीतिक संबंधों का विस्तार करने के लिए दिल्ली के हैदराबाद हाउस में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के बीच डवन्े का आदान–प्रदान हुआ। प्रबोवो सुबियांतो का गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भारत आए हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत–इंडोनेशिया संबंधों में मजबूती आई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2018 में इंडोनेशिया की यात्रा की थी, जिस दौरान भारत–इंडोनेशिया संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया गया। 2014 के चुनावों के दौरान, भाजपा के पीएम पद के उम्मीदवार और वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक मजबूत विदेश नीति की जरूरत को महसूस किया। यूपीए सरकार की उसके पिछले कार्यकाल में निष्क्रिय और गैर–जिम्मेदार विदेश नीति के जवाब के रूप में देखा गया था। कई लोगों ने विदेश नीति के मोर्चे पर भाजपा और उसके प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार से सवाल किया, लेकिन कम ही लोग जानते थे कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में भी, नरेंद्र मोदी ने प्रमुख एशियाई अर्थव्यवस्थाओं का लगातार दौरा किया। लोकसभा में प्रचंड बहुमत के साथ एनडीए सरकार के सत्ता में आने के बाद कूटनीति में बदलाव का दौर देखने को मिला। नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार श्लुक ईस्ट पॉलिसीश से श्एक्ट ईस्ट पॉलिसीश की ओर शिफ्ट हुई। दक्षिण एशिया में पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को सुधारने, दक्षिण पूर्व एशिया के विस्तारित पड़ोस और प्रमुख वैश्विक शक्तियों को शामिल करने जैसी कोशिशें इसका प्रमुख हिस्सा रही। एक्ट ईस्ट पॉलिसी आसियान देशों

के आर्थिक एकीकरण और पूर्वी एशियाई देशों के साथ सुरक्षा सहयोग पर केंद्रित है। भारत के प्रधानमंत्री की तरफ से एक्ट ईस्ट पॉलिसी के तहत 4सी पर फोकस रखा गया। इनमें कल्चर, कॉमर्स, कनेक्टिविटी, कैपसिटी बिल्डिंग हैं। सुरक्षा भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' का एक महत्त्वपूर्ण आयाम है। दक्षिण चीन सागर और हिंद महासागर में बढ़ते चीनी हस्तक्षेप के संदर्भ में भारत द्वारा नौपरिवहन की स्वतंत्रता हासिल करना और हिंद महासागर में अपनी भूमिका स्पष्ट करना 'एक्ट ईस्ट' पॉलिसी की एक प्रमुख विशेषता है। भारत 'क्वाड' नामक भारत–प्रशांत क्षेत्र आधारित अनौपचारिक समूह के माध्यम से भी ऐसे प्रयास कर रहा है। भारत और इंडोनेशिया के बीच बहुत गहरे संबंध रहे हैं। भारत की एक्ट ईस्ट नीति में इंडोनेशिया का अपना एक अलग स्थान है। भारत और इंडोनेशिया के बीच आर्थिक सहयोग पूरे आसियान क्षेत्र में सबसे ज्यादा है। 2023–24 में दोनों देशों के बीच 29.40 बिलियन अमेरिकी डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ। भारत ने इंडोनेशिया में 1.56 बिलियन डॉलर का निवेश कर रखा है, खघसतौर पर इंफ्रा, ऊर्जा, टैक्सटाइल, स्टील, ऑटोमोटिव, माइनिंग, बैंकिग और कंज्युमर गुड्स के क्षेत्र में यह निवेश किए गए हैं। इसके अलावा भारत और इंडोनेशिया के रक्षा सहयोगों को बढ़ावा देने के लिए साल 2018 में रक्षा सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। 2006 में इंडोनेशिया में जावा द्वीप पर बड़े पैमाने पर भूंकप आया। भारत ने बिना क्षण गंवाए आपदा के प्रयास में कोई कमी नहीं छोड़ी और एनडीआरएफ कर्मियों की टीम को रवाना कर दिया। एनडीआरएफ की टीम प्रभावित क्षेत्रों में खोज और बचाव कार्यों के साथ साथ प्रभावित लोगों को मानीय सहायता भी प्रदान करने के लिए तैनात नजर आए। भारत और इंडोनेशिया एक सहस्राब्दी से अधिक पुराने सांस्कृतिक और व्यापारिक संबंधों के साथ घनिष्ठ समुद्री पड़ोसी हैं। यह आसियान (दक्षिण–पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संगठन) क्षेत्र में भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक है। 2023 में भारत–इंडोनेशिया व्यापार29. 4 अरब अमरीकी डॉलर रहा था। इंडोनेशिया में बुनियादी ढांचे, बिजली, कपड़ा, इस्पात, ऑटोमोटिव, खनन, बैंकिंग और उपभोक्ता वस्तुओं के क्षेत्रों में भारतीय निवेश 1.56 अरब अमेरिकी डॉलर है। साल 2018 में रक्षा सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर के बाद द्विपक्षीय रक्षा और सुरक्षा संबंधों में भी लगातार विस्तार हुआ है। इंडोनेशिया में भारतीय मूल के लगभग 1.5 लाख लोग रहते हैं, जिनके पूर्वज 19वीं और 20वीं शताब्दी में उस देश में बस गए थे। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इंडोनेशिया में लगभग 14,000 भारतीय नागरिक (एनआरआई) रहते हैं जिनमें उद्यमी, इंजीनियर, चार्टर्ड अकाउंटेंट, आईटी पेशेवर, सलाहकार और बैंकर शामिल हैं।

गणतंत्र दिवस पर दी बधाई, मजदूरो की स्थिति पर जताई चिंता

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। 76 वें गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2025 अवसर पर देशवासियों को धन्यवाद एंव बधाई देते हुए मजदूर के.....ने कहा वर्ष 2024 मजदूरो के लिए एक कष्टमय स्थिति रही है और 2025 में भी उनके लिए विषम परिस्थिति आने वाली है जिससे लिए वो भारत सरकार से भरोसा करते है

कि भारतीय संविधान की मूल भावना पर सरकार काम करेंगी। आज भी हमारे 76 हजार लोग नियुक्ति और नई नियुक्तियां के लिए दर दर की ठोकरे खा रहे है, निजीकरण हो रहा है, हमारे बिजली कर्मचारी आंदोलन में है, रेलवे विभाग या अन्य विभाग जो पहले भारत सरकार के कार्यक्षेत्र में थे, उसका 80 प्रतिशत निजी क्षेत्रो में जा रहा है, ये चुनौतियाँ है वर्ष 2025 में। देश इस वजह से आजाद नही किया गया था कि कुछ लोगो को इसका लाभ मिले और बहुत सारे लोगो का शोषण हो, गांधी की सोच थी सबको समान अवसर दिया जायेगा। आज देखिए दूसरे असंगठित क्षेत्र, ठेके पे लोग, और दूसरे संस्थानो में काम करने वालों में कितनी असमानताए है। ऐसी स्थिति में गरीब और गरीब होता चला जा रहा है जबकि अमीरो की आमदनी बढ़ती जा रही है जिससे एक और नब्बे का अंतर हो गया है अब इस अन्याय से भी लड़ना पड़ेगा।

मौनी अमावस्या को लेकर 1से 8 तक के विद्यालयों में 29 जनवरी को सार्वजनिक अवकाश घोषित,: डॉ गोरख नाथ पटेल

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी के आदेशानुसार जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ० गोरखनाथ पटेल ने बताया है कि 29 जनवरी 2025 को स्नान पर्व मौनी अमावस्या के कारण जनपद में आवागमन एवं यातायात सुगमता के दृष्टिगत जनपद के बेसिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत संचालित समस्त परिषदीय प्राथमिकध्उच्च प्राथमिक विद्यालय, सभी सी०बी०एस०ई०ए० आई०सी०एस०ई०ए० उ०प्र० बोर्ड, मान्यता प्राप्त, मदरसा, सहायता प्राप्त एवं इण्टरमीडिएट कक्षा 01 से 08 तक के विद्यालयों में स्थानीय अवकाश घोषित किया जाता है और समस्त सम्बन्धित को निर्देशित किया जाता है कि उक्त आदेश का अनुपालन कड़ाई से करना सुनिश्चित करें।

खंड शिक्षा अधिकारी ने सरस्वती चिल्ड्रन एकेडमी का किया औचक निरीक्षण दिया निर्देश

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। प्रदेश सरकार द्वारा विद्यालयों में शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने को लेकर लगातार प्रयास किया जा रहा है। आए दिन शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण करके विद्यालयों को बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए लगातार निर्देश दिए जा रहे हैं

जिससे कि बच्चों के भविष्य को संवारा जा सके। इसी कड़ी में सिरकोनी विकासखंड के खंड शिक्षा अधिकारी अमरेश कुमार द्वारा शिवा पार स्थित सरस्वती चिल्ड्रन एकेडमी का औचक निरीक्षण किया गया।इस दौरान विद्यालय में आयोजित हो रहे पतंग प्रतियोगिता की प्रशंसा की गई। विद्यालय का बारीकी से निरक्षण किया।बच्चों से बातचीत कर पढ़ाई के बारे में जानकारी ली।उन्होंने विद्यालय के प्रिंसिपल को निर्देशित किया कि बच्चों का यूडाइस प्रोफाइल के साथ–साथ अपार आईडी को पूर्ण कराए व आरटीई के तहत बच्चों का नामांकन सुरक्षित करें । इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक पी के श्रीवास्तव व प्रिंसिपल श्रीमती सविता श्रीवास्तव सहित सभी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रही।

डिप्टी एसपी सूर्य प्रकाश श्रीवास्तव को राष्ट्रपति सम्मान सेवा मेडल से सम्मानित होने की हुई घोषणा

अयोध्या। गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन में आयोजित समारोह में रामजन्मभूमि में एआरओ पद पर तैनात डिप्टी एसपी सूर्य प्रकाश श्रीवास्तव को राष्ट्रपति द्वारा ष्सराहनीय सेवा सम्मान मेडल८ से सम्मानित करने की घोषणा की गई।उन्हें यह सम्मान उन्हें उनकी उत्कृष्ट पुलिस सेवा, कर्तव्यनिष्ठा और समाज की सुरक्षा में किए गए समर्पित प्रयासों के लिए दिया गया है।बताते चले कि अयोध्या जनपद से यह सम्मान प्राप्त करने वाले यह इस वर्ष के एक मात्र पुलिस के अधिकारी हैं।पुलिस लाइन समारोह में जिले के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही,कमिश्नर गौरव दयाल, आईजी प्रवीण कुमार ,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजकरन नय्यर व अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और विभिन्न प्रशासनिक अधिकारी के समक्ष डिप्टी एसपी सूर्य प्रकाश श्रीवास्तव के सम्मान की घोषणा की गई। डिप्टी एसपी श्रीवास्तव को यह सम्मान उनकी कड़ी मेहनत, ईमानदारी और न्याय व्यवस्था में योगदान के लिए मिलेगा।उनके द्वारा किए गए कई महत्वपूर्ण अभियानों और सुरक्षा उपायों की सराहना की गई, जिनमें उन्होंने अयोध्या जिले में कानून–व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने और अपराधों की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं।

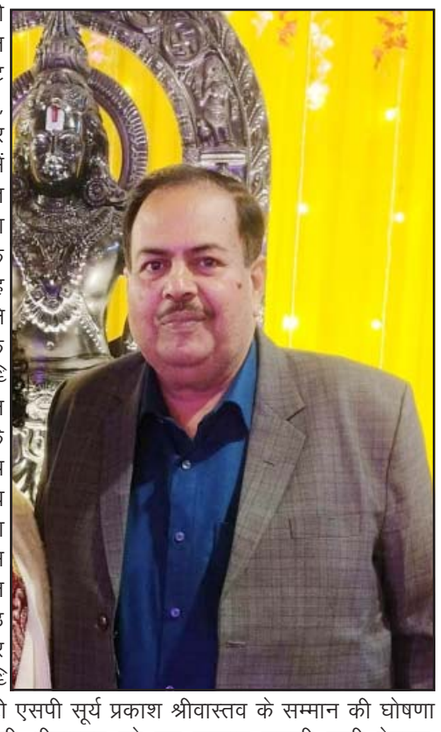

श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रण करने के लिए छपे छपे पर तैनात रहे सुरक्षा कर्मी

अयोध्या। महाकुंभ मेला प्रयागराज से स्नान करके आने वाले लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं भीड़ रामनगरी की ओर आती हुई दिखाई दे रही है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 26 जनवरी व 27 जनवरी तक लगभग 25 लाख से अधिक श्रद्धालुओं रामनगरी में आकर प्रभु श्री राम का दर्शन पूजन किया। रामनगरी में भीड़ इस कदर बड़ी की जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के हाथ पांव फूल गए और यहां तक कि हाईवे और प्रमुख हाईवे को जोड़ने वाले लिंक मार्गो को छोड़े पूर्वांचल तक को भी रूट डायवर्ट पुलिस प्रशासन को अगले आदेश तक करना पड़ा है। रामनगरी में बढ़ते हुए भीड़ को देखते हुए मंगलवार को जहां एक और राम जन्मभूमि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने अयोध्या जिले के आसपास जिले वासियों से अपील किया है कि वह कोशिश यही करें कि फरवरी के पर 10–15 दिनों तक रामनगरी में ना आए। वहीं जिला वह पुलिस प्रशासन शहर में अधिक भीड़ न हो इसके लिए अयोध्या प्रयागराज हाईवे पर बीकापुर तथा अंबेडकर नगर अयोध्या मार्ग पर पूरा बाजार को होल्डिंग क्षेत्र बनाया गया है। वही रामनगरी में श्रद्धालुओं के साथ किसी भी तरह

से परेशानी ना हो ना हो इसके लिए जिला व पुलिस प्रशासन पूरी तरीके से मंगलवार को भी मुस्तैद दिखाई दिया। मंगलवार को सुबह जहां एक और मेला परिसर में बने नियंत्रण कक्ष मे कमिश्नर गौरव दयाल आईजी प्रवीण कुमार अपनी पैनी निकाय बनाए रखे हुए थे और वहीं से ही मॉनिटरिंग भी करते रहे। इसके साथ–साथ यह दोनों उच्च अधिकारी जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह,एसएसपी राज करन नैय्यर वह अन्य आला अधिकारियों के साथ बीच–बीच में अयोध्या धाम में भ्रमणशील रहे और विभिन्न चेक पोस्टों पर तैनात पुलिस के अधिकारियों तथा कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी देते हुए दिखाई दे रहे थे। इसके साथ ही साथ में श्रद्धालुओं से भी कुशल क्षेम पूछते हुए नजर आए। अयोध्या धाम में श्रद्धालुओं के भेद को नियंत्रित करने के लिए जगह–जगह पर सुरक्षा कर्मियों के तैनाती की गई थी जो बेरी कटिंग लगाकर दो पहिया तथा चार पहिया वाहनों को अंदर जाने से रोक रहे थे। बताते चले जहां एक और अयोध्या जिले की सीमा को जहां सील कर दिया गया है वही अयोध्या धाम के अंदर जाने वाले खासकर उदय पब्लिक स्कूल,चूडामणि चौराहा, साकेत पेट्रोल पंप सहित अन्य प्रमुख चौराहों पर पर्याप्त संख्या मे सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है। इन चौराहों पर पर्याप्त संख्या में डिप्टी एसपी, निरीक्षक उप निरीक्षक महिला पुलिस निरीक्षक खुफिया तंत्र एजेंसी के कर्मी, यूपीएसएसएफ, सीआरपीएफ,पीएसी के पर्याप्त संख्या में सुरक्षाकर्मी मौजूद रहे।

असहाय कमजोर की मदद करना बहुत पूण्य और धर्म का कार्य होता है : बृजेश सिंह प्रिंशु

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। स्वर्गीय सूर्यनारायण त्रिपाठी पूर्व सांख्यिकी अधिकारी की पुण्यतिथि भव्य रूप में मनाई गई। इस अवसर पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी असहाय, गरीब, कमजोर वर्ग के लोगों में बड़े पैमाने पर कम्बल वितरण किया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्यतिथि एमएलसी (विधान परिषद सदस्य) बृजेश सिंह प्रिंशू एंव विशिष्ट अतिथि अपर जिलाधिकारी वित्त एंव राजस्व राम अक्षयबर चौहान और व्यापार मंडल के प्रांतीय उपाध्यक्ष इंद्रभान सिंह इंदू रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा स्व सूर्य नारायण जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम के में अतिथियों हांथों, आए हुए असहाय और निर्बल वर्ग के लोगों में कम्बल वितरण किया गया।।यह आयोजन जिले के सामाजिक सांस्कृतिक संस्था श्री दुर्गापूजा महासमिति के तत्वाधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि बृजेश सिंह प्रिंशु ने कहा असहाय कमजोर की मदद करना बहुत पूण्य और धर्म का कार्य होता है, उन्होंने कहा स्वर्गीय श्री त्रिपाठी कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी थे, उन्होंने अपने परिवार को हमेशा अच्छा और सहयोग करने

का कार्य करना सिखाया बताया है, जिसका उदाहरण है कि प्रत्येक वर्ष इनके पुत्रगण असहाय, गरीब, कमजोर वर्ग के लोगों को चिन्हित कर के सहयोग का सरहनीय रूप में नेक कार्य करते हैं।वहीं विशिष्ट अतिथि राम अक्षयबर चौहान और प्रांतीय उपाध्यक्ष इंद्रभान सिंह इंदू ने भी अपने संबोधन में कहां की त्रिपाठी जी बहुत मिलनसार और मृदभांशी व्यक्तित्व के धनी से थे जो आज उनके बच्चों में साफ दिखाई पड़ रहा हयो आज उनकी पुण्यतिथि पर गरीब और असहयों को कंबल वितरण कर उन्हें ठंड से आराम देने का प्रयास सराहनीय कार्य है इससे त्रिपाठी जी की आत्मा को शांति मिलेगी। इस तरह से और समाज के लोगों को सीख लेनी चाहिए। इस दौरान आयोजक स्व. श्री त्रिपाठी के बड़े पुत्र अरविन्द त्रिपाठी, (निदेशक नागरिक विमानन उड़ीसा) एंव आशीष त्रिपाठी (एडीएम पेशकार) और संस्था अध्यक्ष मनीष देव मंगल द्वारा सभी का आभार करते हुए सेवाभाव किया गया।

मंगलवार को बेअसर दिखाई दिया जिलाधिकारी का बंद करने का दिशा निर्देश

अयोध्या। 26 जनवरी से लगातार रामनगरी में लाखों की संख्या में और श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह ने अयोध्या नगर निगम अयोध्या धाम तथा पूरा विकासखंड का वह क्षेत्र जो अयोध्या नगर निगम क्षेत्र में आते हैं उस क्षेत्र में आने वाले कक्षा प्री प्राइमरी से 12 तक के सभी बोर्ड के स्कूलों को 28 फरवरी से 5 फरवरी तक बंद करने का निर्देश दिया था।परंतु शहर में अधिकतर स्कूल खुले होने के चलते उनका यह निर्देश मंगलवार को हवा हवाई साबित हो रहा है।शहर के जाने माने स्कूलों के अलावा यहां तक कि छोटे–मोटे स्कूल भी खुले हुए नजर आ रहे थे।जब वहां पर पढ़ने जाने वाले छात्रों से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि ऐसी कोई जानकारी उन्हें नहीं थी।इसका जीता जागता उदाहरण शहर के कुछ इलाकों में शहर के नामी गिरामी स्कूलों से संचालित स्कूली बसों का

आना जाना भी कमरे में कैद एक उदाहरण साबित हो रहा था।बताते चले कि 26 व 27 जनवरी को जहां 25 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने रामलला का दर्शन किया जिसके चलते शहर में जाम के स्थित तो उत्पन्न ही हो गई थी यहां तक की दो श्रद्धालुओं के मौत के भी सूचना आई।वही मौनी अमावस्या के चलते और भीड़ के आने की आशंका जताई जा रही है।जिसे गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने मौनी अमावस्या पर अधिक श्रद्धालुओं की भीड़ की आशंका को देखते हुए इन क्षेत्रों के स्कूलों को बंद करने का निर्देश दिया था क्योंकि जिस इस दौरान छात्रों को किसी भी तरह की परेशानी ना हो लेकिन उनका या आदेश हवा हवाई साबित हो रहा है।

अटल जन्मशताब्दी के उपलक्ष्य में अटल विरासत सम्मेलन का किया जायेगा आयोजन : सीमा द्विवेदी

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। भारतीय जनता पार्टी द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई का जन्म शताब्दी वर्ष मना रहा है। अटल बिहारी वाजपेई के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर जनपद में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।इस बारे में मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुए राज्य सभा सदस्य सीमा द्विवेदी ने कहा हम सभी के लिए हर्ष का विषय है कि यह वर्ष भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी का जन्म शताब्दी वर्ष है। श्रद्धेय अटल जी की जयंती 25 दिसम्बर को सुशासन दिवस के रूप मनाई गयी, इस अवसर पर बूथ, मंडल, जिला, प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर अनेकों कार्यक्रम व्यापक रूप से संपन्न हुए। पूरा देश अपने भारत रत्न अटल को, उस आदर्श विभूति के रूप में याद कर रहा है, जिन्होंने अपनी सौम्यता, सहजता और सहृदयता से करोड़ों भारतीयों के मन में जगह बनायी पूरा देश उनके योगदान के प्रति कृतज्ञ है उनकी राजनीति के प्रति कृतार्थ है 21वीं सदी को भारत की सदी बनाने के लिए उनकी एनडीए सरकार ने जो कदम उठाये, उसने देश को एक नयी दिशा, नयी गति दी 1998 के जिस काल में उन्होंने पीएम पद संभाला, उस दौर में पूरा देश राजनीतिक अस्थिरता से घिरा हुआ था, नौ साल में देश ने चार बार लोकसभा के चुनाव देखे थे लोगों को शंका थी कि यह सरकार भी उनकी उम्मीदों को पूरा नहीं कर पाएगी ऐसे समय में एक सामान्य परिवार से आने वाले अटल जी ने, देश को स्थिरता और सुशासन का मॉडल दिया भारत को नव विकास की गारंटी दी वे ऐसे नेता थे, जिनका प्रभाव भी आज तक अटल है।साथ ही उन्होंने कहा कि अटल जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर जिला स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। अटल स्मृति संकलन एवं सम्पर्क अभियान में ऐसे व्यक्तियों को चिन्हित करेंगे जिनके पास श्रद्धेय अटल जी के साथ साझा किये गये किसी भी क्षण की स्मृति या तो कागजी माध्यम जैसे पेपर कटिंग, किताब पर दिया गया ऑटोग्राफ या अन्य कोई कागज जो कि प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अटल जी से सम्बद्ध है या स्मृति का ऑडियो क्लिप, विडियो क्लिप उपलब्ध है। सभी देशवासी गौरवान्वित हैं कि देश के दूरदर्शी, कर्मठ एवं यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अनेकों ऐतिहासिक उपलब्धियों के साथ विकसित भारत के संकल्प की ओर बढ़ रहे है। जिससे श्रद्धेय अटल जी की सोच साकार हो रही है। इस अभियान के अन्तर्गत व्यक्तियों को चिन्हित करेंगे जिन्होने प्रत्यक्ष रूप से श्रद्धेय अटल जी के साथ राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ, भारतीय जनता पार्टी या संघ के किसी अनुसांगिक संगठन में कार्य किया हो हम उन सभी वरिष्ठ जनों को सूचिबद्ध कर सम्मानित करने का कार्य करेंगे। इसी कार्यक्रम के अन्तर्गत अटल जी पर लिखे गये लेखों, पुस्तकों को एकत्रित कर सूचिबद्ध किया जायेगा।उक्त अवसर पर जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह सुनिल तिवारी आमोद सिंह उपस्थित रहे।

मॉडर्न विद्यालय ग्रुप आफ स्कूल जाना बाजार का हर्षोल्लास पूर्वक मना प्रथम एलुमनी मीट समारोह

अयोध्या। मॉडर्न विद्यालय ग्रुप ऑफ स्कूल्स,जाना बाजार, अयोध्या में पहली बार एलुमिनी मीट का भव्य आयोजन किया गया।इस ऐतिहासिक अवसर पर पूर्व छात्र–छात्राओं, गुरुजनों और वर्तमान शिक्षकों ने मिलकर भूली बिसरी यादों को एक बार फिर जीवित कर इसे अविस्मरणीय बना दिया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथ के रूप में पधारे डॉ अम्बिकेश त्रिपाठी सदस्य उत्तर प्रदेश राज्य सन्दर्भ समूह अयोध्या सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों स्कूल के प्रबंधक रमेश चंद्र श्रीवास्तव सत्य श्रीवास्तव आशीष श्रीवास्तव सहित अन्य लोगों ने मां सरस्वती के चित्र पर कर किया।कार्यक्रम में वहां के छात्रों द्वारा भजन,अलग–अलग प्रांतो के लोकगीत सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का भरपूर मनोरंजन किया।कार्यक्रम मे मुख्य आकर्षण रहे व विशिष्ट एलुमिनी जिसमें डॉ. अंबिकेश त्रिपाठी)(शिक्षक व राज्य शिक्षक से सम्मानित) ,डॉ.समीर(चिकित्सक), राजेश श्रीवास्तव(पत्रकार),उत्कर्ष सर्राफ (जिला पंचायत सदस्य)अजीत कुमार (जे.ई.),पवन कुमार (जन सेवक), देवांग सिंह (प्रतिष्ठित बिजनेसमैन),आलोक पाण्डेय (जन प्रतिनिधि),अनुभव सिंह (जन प्रतिनिधि),शिप्रा तिवारी, रूपिका तिवारी, छाया, दीपा गुप्ता सहित अन्य पुरातन छात्रों ने इन सभी ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को विशेष बनाया।इस मौके पर गुरुजनों का सम्मान कार्यक्रम में विद्यालय के वरिष्ठ गुरुजनों ने अशोक श्रीवास्तव,राम जी निषाद,हरिद्वार तिवारी,राजबहादुर वर्मा, स्नेहलता श्रीवास्तव,राजकुमारी सिंह का स्वागत इनका स्वागत एवं सम्मान विद्यालय के वर्तमान प्रधानाचार्य जी. पी. यादव

(UP बोर्ड) और कौशल किशोर सिन्हा (ब्टैम् बोर्ड) द्वारा किया गया।मॉडर्न इंटर कॉलेज और एस. डी मेमोरियल के छात्र–छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम करने वाले छात्राओं में रिया, सलोनी, पीहू, शिफा, आकांक्षा, रिमझिम, आयुषी, नीतू, प्रिया, अर्पिता, सविता, अंकित, कशिश, प्रिंसी, नैन्सी, प्रज्ञा, अनामिका, वंशिका आदि शामिल रहे।कार्यक्रम के दौरान सभी पुरातन छात्रों ने विद्यालय के प्रबंधक रमेश चंद्र श्रीवास्तव जी का सम्मान किया।कार्यक्रम मे अनिल कुमार वर्मा, प्रमोद यादव, अनूप वर्मा, शालिनी श्रीवास्तव, वंदना श्रीवास्तव, शिखा मिश्रा, अर्चना तिवारी, सपना दुबे, आरती, काजल, रीना, सोनी, आरजू, सिमरन, आशीष तिवारी, वैभव सिंह, गुड्डू, अभिषेक, विनय, रितेश, सूर्यप्रताप, प्रमोद यादव, अमर बहादुर शाहिद सभी शिक्षक शिक्षिकाएं व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

पांडेयहाता में दूसरे दिन भी बंद रखी दुकानें, सड़क चौड़ीकरण का जताया विरोध

गोरखपुर, (संवाददाता)। धर्मशाला बाजार से नार्मल चौकी तक विरासत गलियारा बनाया जा रहा है। इसके 12.5 मीटर चौड़ीकरण के विरोध में दूसरे दिन भी शनिवार को घंटाघर व पांडेयहाता के व्यापारियों ने दुकान बंद कर धरना–प्रदर्शन किया। व्यापारी सड़क पर घंटों डटे रहे। व्यापारियों ने शुक्रवार को भी दुकानों को बंद कर प्रदर्शन किया था। व्यापारियों का प्रतिनिधित्व कर रहे मनोज कुमार सिंह का कहना था कि दुकानों पर लाल निशान लगा दिए गए हैं। सड़क चौड़ीकरण से दुकानें टूट जाएंगी। घंटाघर से पांडेयहाता चौकी तक लगभग 300 दुकानें हैं। दुकानें 2.5 मीटर से तीन व चार मीटर ही लंबी हैं। सड़क की चौड़ाई बढ़ने से कई व्यापारियों की पूरी दुकान ही चली जाएगी। कई की दुकानों का आधा हिस्सा समाप्त हो जाएगा। बचा हुआ हिस्सा भी किसी काम का नहीं रहेगा। व्यापारियों का व्यापार समाप्त हो जाएगा। व्यापारी विकास अग्रवाल ने बताया कि यहां लगभग 50 से 60 वर्षों से व्यापारी किराए पर दुकान चला रहे हैं। सरकार पहले उनकी व्यवस्था करे। उनका कहना था कि अगर चौड़ाई को आठ मीटर ही रखकर बिजली के तारों को अंडरग्राउंड ही कर दिया जाए तो दुकानें बचने के साथ–साथ सड़क भी चौड़ी दिखेगी। इससे रोजी–रोटी बची रहेगी। व्यापारी मनोज कुमार सिंह ने कहा कि घंटाघर से पांडेयहाता पुलिस चौकी तक 12.5 मीटर के सड़क चौड़ीकरण को रोककर आठ मीटर ही रहने दिया जाए। उनका कहना था कि हमारी मांगे जब तक पूरी नहीं होंगी तब तक लगातार दुकानें बंद कर विरोध जाताएंगे। चाहे हमारे व्यापार का नुकसान ही क्यों न हो जाए।

ट्रेलर और हाइवा की जोरदार टक्कर, वाहनों के उड़े परखच्चे, एक की मौत तीन गंभीर

वाराणसी, (संवाददाता)। सोनभद्र जिले के नधिरा–बखरिहवां मार्ग पर सोमवार को बिजली सब स्टेशन के पास भीषण सड़क हादसा हो गया। ट्रेलर और हाइवा की टक्कर में एक शख्स की मौत हो गई। जबकि तीन लोग घायल हैं। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। वहीं कड़ी मशक्कत के बाद वाहनों में फंसे लोगों को निकाला जा सका। पाइप लादकर बीजपुर एनटीपीसी जा रहे एक ट्रेलर और राखड़ लादकर रेणुकूट की ओर जा रहे हाइवा की आमने–सामने टक्कर हो गई। हादसे में ट्रेलर मालिक गुरु चरन सिंह (60) पुत्र जगरनाथ सिंह, निवासी कुली खुर्द, थाना मलौद, पंजाब की मौके पर ही मौत हो गई। उनके बेटे वीरेंद्र सिंह (35) को गंभीर चोटें आई हैं। हादसे के बाद हाइवा चालक और खलासी वाहन में बुरी तरह फंस गए, जिन्हें निकालने में पुलिस और राहत दल को तीन घंटे तक कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए और मार्ग पूरी तरह से बाधित हो गया। सूचना मिलने पर बभनी पुलिस मौके पर पहुंची और हाइड्रा मशीन की सहायता से वाहनों को हटवाने का कार्य शुरू किया। मार्ग बाधित होने के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और घायल वीरेंद्र सिंह सहित हाइवा चालक व खलासी को अस्पताल पहुंचाया गया है। प्रशासन ने यातायात सुचारू करने के लिए राहत कार्य तेज कर दिया है।

मारपीट में घायल युवक की हालत बिगड़ी, लखनऊ रेफर

गोरखपुर, (संवाददाता)। बैदोलिया अजायब गांव में शुक्रवार की शाम को पानी के विवाद में हुई मारपीट में घायल युवक कृष्ण कुमार की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल से डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज लखनऊ रेफर कर दिया। घटना से दोनों पक्षों में तनाव का माहौल है। पीड़ित परिवार ने घटना की तहरीर पुलिस को दी है। बैदोलिया अजायब गांव में आज्ञाराम चौधरी गेहूं की फसल की सिंचाई कर रहे थे। उनके खेत से पानी बहकर कृष्ण कुमार चौधरी के खेत में चला गया था। इसी बात को लेकर दोनों पक्ष के लोग विवाद करने लगे। कुछ ही देर में मामला तूल पकड़ लिया।

गोरखपुर पुलिस संभल के पशु तस्करों पर लगाएगी गैंगस्टर

गोरखपुर, (संवाददाता)। जिले की पुलिस एसपी के निर्देश पर पशु तस्करों पर गैंगस्टर व गुंडा एक्ट की कार्रवाई कर शिकंजा कस रही है। इसी क्रम में खोराबार पुलिस अब संभल के पशु तस्कर इरफान पर गैंगस्टर की कार्रवाई करेगी। पुलिस ने संभल पुलिस व बुलंदशहर पुलिस से संपर्क कर आरोपी के खिलाफ में दर्ज केस की जानकारी मांगी है। जानकारी के मुताबिक, बीते 13 फरवरी 2024 को खोराबार थाने में एक सूचना आई थी ।

बदमाशों ने दंपति को बंधक बनाकर नगदी और लाखों के जेवर लूटे

लखनऊ, (संवाददाता)। बाराबंकी जिले के बड्डूपुर थाना क्षेत्र के नया पुरवा मजरे बड़ागांव में शनिवार रात करीब 1रू30 बजे चार नकाबपोश बदमाशों ने एक मकान में घुसकर दंपति को बंधक बनाकर लूटपाट की। तमंचे के बल पर बदमाशों ने गृहस्वामी अयोध्या प्रसाद और उनकी पत्नी गीता देवी को पीटा और 20,000 रुपये नकद समेत लाखों रुपये के जेवर लूटकर फरार हो गए। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बना दिया है। शनिवार रात अयोध्या प्रसाद और उनकी पत्नी गीता देवी घर के दूसरे तल पर सो रहे थे। रात के सन्नाटे में खटपट की आवाज सुनकर जब अयोध्या प्रसाद ने दरवाजा खोला तो सामने चार नकाबपोश बदमाश खड़े थे। बदमाशों ने उन्हें तमंचे की नोक पर धमकाते हुए अंदर धक्का दिया और लूटपाट शुरू कर दी। बदमाशों ने गृहस्वामी से अलमारी में रखे नकदी और जेवर के बारे में पूछा जब उन्होंने जानकारी देने से इनकार किया तो बदमाशों ने उनकी पिटाई की और दंपति को एक साड़ी से बांध दिया। इसके बाद बदमाश अलमारी से 20,000 रुपये नकद और पायल, सोने का झाला, चौन व लॉकेट समेत लाखों रुपये के जेवरात लूटकर फरार हो गए। सूचना मिलते ही बड्डूपुर थानाध्यक्ष मनोज कुमार मौके पर पहुंचे और इलाके में नाकेबंदी कराई लेकिन बदमाशों का कोई सुराग नहीं मिल सका। थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले की गहराई से जांच की जा रही है और बदमाशों को पकड़ने के लिए पुलिस टीम लगाई गई है।

खेत पर गया था पति... घर में दोनों पत्नियों पर जानलेवा हमला... एक की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। बलरामपुर नगर कोतवाली के कटरा शंकर नगर की एक बुजुर्ग महिला की चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई वहीं दूसरी गंभीर रूप से घायल हो गई है। घटना रविवार की रात 10 बजे की है। गांव के जमील ने बताया कि वह रविवार की रात साढ़े नौ बजे खाना–खाने के बाद खेत की रखवाली के लिए चला गया। खेत के पास ही वह रात में रहता है। उसने दो शादी की है, दोनों पत्नियां घर में ही सो रहीं थीं। अचानक कोई व्यक्ति घर में घुसा और दोनों महिलाओं पर हमला कर दिया। घायलावस्था में ही उसकी दूसरी पत्नी शबनम ने मोबाइल पर घटना की उसे सूचना दी। वह घर पहुंचा तो देखा कि पहली पत्नी समसुलनिशा (62) खून से लथपथ जमीन पर पड़ी है। दूसरी पत्नी को भी चाकू लगा था वह भी कुछ देर चिल्लाती रही और फिर बेहोश होकर गिर गई। दोनों को एंबुलेस से जिला मेमोरियल अस्पताल लेकर गया जहां चिकित्सकों ने पहली पत्नी समसुलनिशा को मृत घोषित कर दिया। दूसरी पत्नी शबनम (41) का इलाज चल रहा है। बताया कि यह जानकारी नहीं हो सकी है कि घर में कौन घुसा था। थाने में अज्ञात हमलावर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। नगर कोतवाल शैलेष सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। दोनों महिलाओं पर चाकू से हमला हुआ है। मौत की वजह का पता किया जा रहा है। पूछताछ की जा रही है।

कर्तव्य पथ पर उत्तर प्रदेश की झांकी में महाकुंभ दर्शन, दिखी यूपी की संस्कृति की झलक

लखनऊ, (संवाददाता)। गणतंत्र दिवस का पर्व पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर दिल्ली में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी कर्तव्य पथ पर देश की अलग–अलग संस्कृतियों को दिखाने वाली झांकी प्रस्तुत की गईं। इस दौरान उत्तर प्रदेश की संस्कृति को महाकुंभ की झांकी के साथ प्रस्तुत किया गया। बता दें कि प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश सरकार का दावा है कि इस बार कुंभ में 40 से 45 करोड़ लोग स्नान करेंगे। महाकुंभ में स्नान करने के लिए दुनिया भर से लोग आ रहे हैं। बीती 14 जनवरी को मकर संक्रांति के अवसर पर करीब साढ़े तीन करोड़ लोगों ने स्नान किया। गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ पर आयोजित परेड में महाकुंभ की झांकी प्रस्तुत की गई। इससे पहले अयोध्या के राम मंदिर को भी महाकुंभ की झांकी में शामिल किया जा चुका है।

शौक पूरे करने के लिए लोगों का अपहरण कर फिरौती वसूलने वाले गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। पीजीआई पुलिस ने शनिवार को शौक पूरा करने के लिए लोगों का अपहरण कर फिरौती वसूलने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास सात मोबाइल, घटना में प्रयोग कार, 12 हजार रुपये, एक एटीएम कार्ड और डीएल बरामद हुआ है। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी पीजीआई के तेलीबाग निवासी अनुराग सिंह, कल्ली पश्चिचम के प्रिंस सिंह व अभिषेक उर्फ रितिक है। तीनों आरोपी छात्र हैं। आरोपी एक घटना सुशांत गोल्फ सिटी में में अंजाम दे चुके हैं। डीसीपी ने बताया कि शुक्रवार को पीजीआई थाने में अश्वनी मिश्रा ने एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस की चार टीमें घटना की जांच कर रही थी। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले थे। फुटेज में एक सफेद रंग की कार दिखी थी। इससे आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में तीनों आरोपियों ने बताया कि बृहस्पतिवार रात उन्होंने वृंदावन सेक्टर 18 निवासी अश्वनी के भतीजे छात्र शैलेंद्र कुमार मिश्रा को पता पूछने के बहाने अपनी कार में बैठा लिया था। उनकी पिटाई कर उनसे अपने अकाउंट में 47 हजार 500 रुपये लूट लिए थे।

पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन लिखी किताब, पढ़कर मिलेगी खुशी

लखनऊ, (संवाददाता)। पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन ने कहा कि खुशी एक चुनाव है और कौशल भी है, जिसे सीखा जा सकता है। हम सभी को इसे सीखना चाहिए। उन्होंने ये बातें अपनी पुस्तक हैप्पीनेस एंड वेलबीइंग के विमोचन पर हुई परिचर्चा के दौरान कहीं। इससे पहले उनकी पांच पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। परिवर्तन चौक स्थित एक निजी होटल में आयोजित पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में आलोक रंजन ने बताया कि उनकी पुस्तक बहुआयामी पहलुओं पर केंद्रित है। यह पुस्तक खुशी और जीवन के संतुलन को बढ़ावा देने के लिए व्यापक मार्गदर्शिका है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सेवा के दौरान उन्होंने हमेशा लोगों की खुशी और कल्याण को प्राथमिकता दी। यह पुस्तक उन्हीं अनुभवों पर आधारित है। परिचर्चा के दौरान लविवि के प्रोफेसर डॉ. अरविंद मोहन ने कहा कि पुस्तक सार्वजनिक नीतियों में खुशी को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर देती है। एक कंपनी की एमडी किरण चोपड़ा ने कहा कि यह पुस्तक बताती है कि कार्यस्थल पर खुशी कैसे उत्पादकता और नवाचार को बढ़ावा दे सकती है। जयपुरिया इंस्टीट्यूट की निदेशक कविता पाठक ने कहा कि यह पुस्तक जीवन की कठिनाइयों में सहनशक्ति और आनंद खोजने में मदद कर सकती है। इस मौके पर विचारक, शिक्षाविद और उद्योग जगत के लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस सांसद राकेश राठौर के खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी

लखनऊ, (संवाददाता)। दुष्कर्म मामले में सांसद राकेश राठौर के विरुद्ध सीजेएम न्यायालय ने सोमवार को गैर जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी कर दिया है। इसके बाद पुलिस ने दबिश तेज कर दी है। गौरतलब है कि दुष्कर्म मामले में सांसद को बीती 25 जनवरी को दूसरा नोटिस जारी कर दिया गया था। इसके बाद उन्हें 27 जनवरी तक सुबह 11 बजे कोतवाली में हाजिर होकर बयान दर्ज करवाने का मौका दिया गया था। वह सोमवार को कोतवाली नहीं पहुंचे। इसके बाद पुलिस ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट गौरव प्रकाश की कोर्ट से गिरफ्तारी अधिपत्र जारी करवा लिया। सूत्रों की माने तो सांसद का भतीजा सुबह कोतवाली नगर पहुंचा था। हालांकि पुलिस सांसद का बयान करवाने पर अड़ी रही। उनके सामने न आने पर यह कार्यवाही की गई।

अयोध्या में महिला समेत दो श्रद्धालुओं की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। रामनगरी अयोध्या में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है। इससे प्रशासन की चुनौतियां भी बढ़ गई हैं। सोमवार को दो भक्तों की मौत हो गई। एक महिला श्रद्धालु की मौत हुई है। मौत का कारण हार्ट अटैक बताया जा रहा है। मृतक महिला सोनीपत हरियाणा की रहने वाली है। दोनों श्रद्धालु महाकुंभ से अयोध्या पहुंचे थे। बता दें कि महाकुंभ के दौरान अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या काफी बढ़ गई है और नगर में आस्था का सैलाब लगा रहता है।

इकबाल अंसारी ने कैमरे के सामने भाजपा की जीत की दुआ की

लखनऊ, (संवाददाता)। अयोध्या विवाद में बाबरी के पक्षकार रहे इकबाल अंसारी ने मिल्कीपुर उपचुनाव में भाजपा की जीत की दुआ की। उन्होंने कहा कि अयोध्या में विकास हो रहा है। यहां सड़कें हैं। लोगों को रोजगार मिल रहा है। नगर की सूरत बदल रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या को सजाया संवारा है। अयोध्या की पहचान योगी जी से है। उन्होंने सभी मुसलमानों से मिल्कीपुर उपचुनाव में भाजपा को वोट करने की अपील की है। उन्होंने कैमरे के सामने भाजपा की जीत की दुआ की। कहा कि अयोध्या विवाद को पीछे छोड़ चुकी है और अब यहां विकास हो रहा है। अगर मिल्कीपुर में योगी जी की जीत हुई तो मिल्कीपुर में भी इसी तरह विकास होगा। मिल्कीपुर में 5 फरवरी को मतदान होगा जबकि 8 फरवरी को परिणाम की घोषणा होगी। भाजपा ने चंद्रभानु पासवान को उम्मीदवार बनाया है जबकि सपा ने सांसद अवधेश प्रसाद के पुत्र अजीत प्रसाद को प्रत्याशी बनाया है।

डंपर ने बाइक को मारी टक्कर, एक युवक की दर्दनाक मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई। मामला शहर कोतवाली क्षेत्र के जेल रोड का है। सुबह डंपर ने बाइक सवार दो युवकों करन (18) पुत्र राजेंद्र सोनकर व शिवा (17) पुत्र सुरेश निवासी कप्तान का पुरवा को टक्कर मार दी। इसमें करन की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, शिवा गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर मारने के बाद डंपर चालक मौके से गाड़ी लेकर भाग गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को इलाज के लिए एम्स ले जाया गया जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

पं. हरिप्रसाद चौरसिया को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

लखनऊ, (संवाददाता)। अपने बांसुरी वादन से देश–विदेश में ख्याति प्राप्त करने वाले पद्मश्री पंडित हरिप्रसाद चौरसिया को जश्न–ए–अदब की ओर से लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा गया है। इस दौरान मंच पर वरिष्ठ कवि पद्मश्री अशोक चक्रधर ने सरकार से मांग की कि पंडित हरिप्रसाद चौरसिया को भारत रत्न दिया जाए। पद्मश्री मालिनी अवस्थी, पद्मश्री पं. साजन मिश्र, शायर फरहत एहसास आदि ने भी एक स्वर में पुरजोर समर्थन किया। इसके बाद पं. हरिप्रसाद चौरसिया ने बांसुरी की सुरीली प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। खड़े होकर श्रोताओं ने उनका अभिवादन किया। पं. हरिप्रसाद चौरसिया ने कहा कि उन्हें लखनऊ का खाना बहुत पसंद है, वे अपने घर वालों को खुश करने के लिए यहां से खाना पैक करके ले जाते हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी आदि मौजूद रहे।

परीक्षा शुरू होने से एक घंटा पहले खोला जाएगा स्ट्रांग रूम, पेपर के आने के बाद होगी ये प्रक्रिया

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश में 24 फरवरी से यूपी बोर्ड की हाईस्कूल व इंटर की परीक्षाएं शुरू हो रही हैं। इससे पहले फरवरी के पहले सप्ताह में पूरे प्रदेश में परीक्षा के लिए पेपर जिलों में भेजे जाएंगे। पेपर की सुरक्षा व बेहतर रखरखाव के लिए शासन ने विस्तृत दिशा–निर्देश जारी किया है। साथ ही कहा है कि परीक्षा से पहले पेपर बाहर आने पर संबंधित स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक व बाहरी केंद्र व्यवस्थापक जिम्मेदार होंगे। माध्यमिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार ने कहा है कि स्ट्रांग रूम जहां डबल लॉक अलमारी में पेपर रखे हैं को परीक्षा शुरू होने से एक घंटे पहले खोला और पेपर समाप्त होने के एक घंटे के बाद सील किया जाएगा। पेपर की सुरक्षा के लिए वॉयस रिकॉर्डर, नाइट विजन युक्त सीसीटीवी कैमरा युक्त एक कमरे को स्ट्रांग रूम बनाया जाए। यहां पर पेपर रखने के अलावा कोई गतिविधि ा नहीं होगी। स्ट्रांग रूम की चाभी स्टैटिक मजिस्ट्रेट की निगरानी में होगी। कमरे को खोलने व बंद करने की जानकारी भी लॉग बुक–रजिस्टर में दर्ज की जाएगी। इसी तरह स्ट्रांग रूम की डबल लॉक अलमारी को खोलने व सील करने की प्रक्रिया केंद्र व्यवस्थापक, वाह्य केंद्र व्यवस्थापक व स्टैटिक मजिस्ट्रेट (तीनों) की उपस्थिति में ही की जाएगी। इसका भी रजिस्टर मेंटेन किया जाएगा। उन्होंने कहा है इस रजिस्टर की फोटो डीआईओएस के वाट्सअप पर भेजी जाएगी। परीक्षा केंद्र पर पेपर पहुंचने से तीन दिन पहले स्ट्रांग रूम बना लिया जाए और 24 घंटे सीसीटीवी कैमरा सक्रिय रखा जाए। अपर मुख्य सचिव ने सभी डीएम, पुलिस आयुक्त, पुलिस अधीक्षक, माध्यमिक शिक्षा निदेशक व सचिव, सभी मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक व डीआईओएस को निर्देश दिया है ।

सस्ती क्रॉकरी, लकड़ी के उत्पाद बने खरीदारों की पहली पसंद

लखनऊ, (संवाददाता)। हनुमान सेतु पर लगे कतकी मेले में खुर्जा के चीनी मिट्टी के बर्तन और सहारनपुर की लकड़ी के सामान की रौनक छाई है। सस्ते दाम और अनोखे डिजाइन के चलते चीनी मिट्टी के बर्तनों की दुकानों पर खूब भीड़ उमड़ रही है। मेले के आयोजक शनि गुप्ता ने बताया कि बुलंदशहर और आगरा की क्रॉकरी, पीलीभीत के हैंडलूम उत्पाद और कानपुर के चमड़े से बने फुटवियर समेत अन्य जिलों से कुल 200 दुकानें लगी हैं। इनमें 50 से अधिक दुकानें सिर्फ चीनी मिट्टी के बर्तनों की हैं। खुर्जा से चीनी मिट्टी के बर्तनों की दुकान चलाने वाले नाजिम ने बताया कि सस्ते दामों की वजह से लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं। यहां 30 से लेकर 150 रुपये तक में आकर्षक डिजाइन के चीनी मिट्टी के कप उपलब्ध हैं। जार और अचार रखने के कंटेनर 10 से 20 रुपये में बिक रहे हैं। चीनी मिट्टी की प्लेटें भी खरीदारों को खूब लुभा रही हैं, जिनकी कीमत 50 से 300 रुपये है। सहारनपुर से लकड़ी के बर्तनों और उत्पादों की दुकान लगाने वाले नयाबुद्दीन ने बताया कि महिलाओं का घरेलू उपयोग के बर्तनों पर ज्यादा रुझान है। 20 रुपये से शुरू होने वाले लकड़ी के चिमटे, चम्मच और बेलन खूब बिक रहे हैं। लकड़ी से बने हैंडबैग, आईने और घरेलू सज्जा की वस्तुएं लोगों को खूब पसंद आ रही हैं।

सूफी और लोक गीतों के साथ शायरी से सुरमई हुई अवध शिल्प ग्राम की शाम

लखनऊ, (संवाददाता)।उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस समारोह के दूसरे दिन शनिवार को अवध शिल्प ग्राम की शाम सूफी और लोकगीतों की रूमानियत से सराबोर रही। इसी बीच सजी मुशायरे की महफिल में शायरों के कलाम से मंच सुरमई हो गया। बीच–बीच में कलाकारों की प्रस्तुतियों ने विभिन्न संस्कृतियों के रंग बिखेर दिए। उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस पर अवध शिल्प ग्राम में चल रहे यूपी दिवस समारोह में इंडो राइट बैंड के कलाकारों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। गायक आभाष जोशी और श्रेयश जोशी ने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ पर जाहि विधि राखे राम, ताहि विधि रहिये.... गीत के जरिए भगवान राम को नमन किया। इसके अलावा उत्तर प्रदेश प्रदेश स्थापना दिवस के सिलसिले में 20 जनवरी को भातखंडे में हुई प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों ने मंच पर अपनी प्रस्तुतियां दीं। उप शास्त्रीय गायन में प्रथम स्थान पर रहे अनु गुरू ने रामजी के भइला जमन्वा चलो कई लेई दर्शनवा... पर अवध एकल नृत्य की प्रस्तुति दी। एकल नृत्य भरतनाट्यम में प्रथम स्थान पाने वाली आशनी देव यादव ने भी तालिया बटोरीं। लोकगायिका कल्पना पोटवारी ने मंच पर आवे संग जाई अकेला, ता ते मूरख रहब रमेला.... सुनाया तो दर्शक खड़े होकर झूमने लगे। उनके साथ बेंजो पर राजादास, की–बोर्ड पर कर्पूरी, पीयूष मिश्रा, पैड पर विष्णु, ढोलक पर धर्मेंद्र, शहनाई पर फिरोज, बासुरी पर निकुंजय और तबला पर हंसराज ने संगत की। मुशायरे की महफिल में शायर शारिक कैफी ने पढ़ा कि किसी को फिर भी महंगे लग रहे थे, फकत सांसों का खर्चा था हमारा... . । इससे पहले महफिल का आगाज आशू मिश्रा ने अपने कलाम, पेश आई है किस तरह ये दुनिया मेरे दिल से, इतना भी नही सोचा कि ये घर है किसी का.... से किया।

गीत-संगीत और गजलों से महका जश्न-ए-अदब

लखनऊ, (संवाददाता)। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित जश्न–ए–अदब साहित्योत्सव के दूसरे दिन गीत, संगीत, गजल, बैंतबाजी, बांसुरी वादन, लोकगीत और शायरी की महफिल सजी। इस दौरान शेरी नशस्ति में शायर फरहत एहसास, हास्य–व्यंग्य कवि अशोक चक्रधर और मदन मोहन दानिश ने खूब वाहवाही लूटी। पं. साजन मिश्र और लोकगायिका मालिनी अवस्थी की प्रस्तुतियों ने मन मोहा तो बांसुरी वादक पं. हरिप्रसाद चौरसिया की प्रस्तुति ने भी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। दूसरे दिन की शुरुआत बैंतबाजी से हुई। इसमें चार टीमों ने भाग लिया। शायरी का यह मुकाबला बेहद रोचक रहा, जिसमें कहकशां, दरख्शा और मो. युसुफ आरिफ की टीम पहले स्थान पर रही। उम्मे हिलाल, मुसफिरा और यासमीन की टीम दूसरे और अब्दुर्रहमान, मो. नोमान और मो. नाज की टीम तीसरे स्थान पर रही। जश्न–ए–अदब कल्चरल कारवां के संस्थापक कुंवर रंजीत चौहान ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल हमारी साहित्य–संस्कृति को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि उसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना है। शेरी नशिस्त की शुरुआत करते हुए नितिन कबीर ने पढ़ा– बाहर उनके निकला हूं कई सालों में, वो जो दो गड्ढे थे उसके गालों में...। इमरान राही ने पढ़ा– वो लड़की आई है जबसे ख्वाबों में मेरे, मेरी आंखों की बोली लग रही है...। जावेद मुशीरी ने सुनाया – लाज रखी न गई कान से सरगोशी की, इन्तिहा हो गई अहसान फरामोशी की...। शायर मदन मोहन दानिश ने पढ़ा– बात इतनी समझ में आई है, हर कहानी सुनी सुनाई है। फरहत एहसास ने अपने अंदाज में जब पढ़ा, कितने बेदर्द होते जा रहे हैं, आप तो मर्द होते जा रहे हैं... तो हॉल तालियों से गूंज उठा। सदारत कर रहे देश के वरिष्ठ कवि अशोक चक्रधर ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं के मन को छुआ। उन्होंने पढ़ा– कविता में नाटक हो चाहे नाटक ही में कविता हो, पहले तुम्हें दुखांत लगेगा नाटक मगर सुखांत मेरा... । कुंवर रंजीत चौहान से सुनाया– देखे हुए से ख्वाब सा एक ख्वाब देखना, फिर ख्वाब में ख्वाब के जैसा तलाशना। इसके अलावा आलोक अविरल, रंजन निगम आदि ने भी अपनी रचनाएं सुनाईं। पहले जैसा नहीं रहा लखनऊ, पर बाकियों से आज भी अच्छा

लखनऊ। मशहूर शायर फरहत एहसास लंबे समय से लखनऊ आते रहे हैं। कल्चरल कारवां के मुशायरे में शामिल होने आए फरहत एहसास ने अमर उजाला से खास बातचीत में कहा कि अब लखनऊ पहले जैसा तो नहीं रहा, लेकिन बाकियों से आज भी अच्छा है। एक जमाने में यहां की जबान में मिठास हुआ करती थी। उर्दू, अवधी और ब्रज भाषा का मिश्रण सुनने को मिलता था। दिल्ली के मुकाबले लखनऊ की बोली बहुत नर्म थी। हालांकि, अब पहले जैसी नरमी नहीं रही। कहा, 1782 में दिल्ली छोड़कर मशहूर शायर मीर तकी मीर भी लखनऊ ही आ गए थे। यह लखनऊ की तहजीब के प्रति उनका आकर्षण ही था। सूफियाना अंदाज ने जीता दिल भोपाल से आए सूफी गायक राजीव सिंह ने अपने गायन से श्रोताओं का दिल जीत लिया। रुदाली फिल्म के गीत दिल हूम हूम करे... और नजीर अकबराबादी की गजल दुनिया में बादशाह है ।

संक्षिप्त समाचार

69000 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों का धरना प्रदर्शन जारी

लखनऊ, (संवाददाता)। 69000 शिक्षक भर्ती के अंतर्गत नियुक्ति की मांग कर रहे आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों का धरना प्रदर्शन रविवार को भी ईको गार्डन में जारी रहा। गणतंत्र दिवस के अवसर पर अभ्यर्थियों ने ईको गार्डन में ही तिरंगा फहराया और राष्ट्रगान गाकर गणतंत्र दिवस मनाया।

अभ्यर्थी ईको गार्डन में इसी तरह अपनी मांगो के साथ त्योहार मानते आ रहे हैं। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के आंदोलन का नेतृत्व कर रहे अमरेंद्र पटेल ने कहा की 69000 शिक्षक भर्ती में आरक्षण लागू करने में विसंगति के कारण हम अभ्यर्थी दर–दर की ठोकर खा रहे हैं। हमें हाईकोर्ट डबल बेंच ने न्याय देते हुए फैसला हमारे पक्ष में सुनाया है। इसके बाद भी विभाग की लापरवाही के कारण यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट में चला गया है। हमारी मांग है कि सरकार सुप्रीम कोर्ट में हमारा पक्ष मजबूती के साथ रखें और मामला जल्द निस्तारित कराये। बता दें कि इस मामले की सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई 11 फरवरी को होनी है।

संदिग्ध परिस्थितियों में एसएसबी जवान की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। एसएसबी 62वीं वाहिनी भिनगा में तैनात एक एसएसबी जवान को रविवार सुबह हार्ट अटैक की शिकायत के बाद संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा लाया गया जहां उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची भिनगा कोतवाली पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कर्नाटक निवासी यलप्पा हंजनाट्टी (24) एसएसबी जवान

62 वीं वाहिनी में कांस्टेबल के पद पर तैनात था। बताया जा रहा है कि रविवार भोर वह अपने कमरे से कुछ सामान लेने गया था तभी उसे हार्ट अटैक आ गया। इसके बाद आनन फानन में एसएसबी जवान को संयुक्त जिला अस्पताल लाया गया। जहां उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची भिनगा कोतवाली पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी हाउस भेज ददा है। इस बारे में प्रभारी निरीक्षक भिनगा भानु प्रताप सिंह का कहना है कि प्रथमदृष्टया मौत का कारण हार्ट अटैक ही है। बाकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।